दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्ष :-04
अंक:-234
मुरादाबाद
15 December 2024
(Sunday)
पृष्ठ:-08
मूल्य:- 3.00 रुपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र–बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

SGPGI का स्थापना दिवस समारोहः सीएम योगी आदित्यनाथ बोले– तैयारी इतनी शालीनता से करो कि सफलता शोर मचा दे

राजधानी स्थित एसजीपीजीआई का 41वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। इसमें सीएम योगी आदित्यनाथ भी शामिल हुए। कहा कि तैयारी इतनी शालीनता से करो कि सफलता शोर मचा दे।राजधानी लखनऊ में शनिवार को संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) का 41वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में सीएम योगी आदित्यनाथ शामिल हुए। उनके साथ डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक

और स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संजय गांधी पीजीआई से देश की सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य में स्वास्थ्य का मानक तय करता है। कोरोना महामारी के दौरान 36 जनपदों में आईसीयू नहीं थे। ऐसे में संस्थान के निदेशक ने सुझाव दिया कि हम लोग टेली आईसीयू चला सकते हैं। उनकी सहायता से प्रदेश में वर्चुअल आईसीयू प्रारंभ किया था। इससे हजारों लोगों की जान को बचाने में मदद मिली थी। सीएम ने सुनाई दार्शनिक की कहानी –उन्होंने कहा कि देश का यह पहला संस्थान हैं जिसे सीएसआर से पांच सौ करोड़ मिले हैं। इस दौरान सीएम योगी ने स्त्रक्कढ के डॉक्टरों को संबोधित करते हुए एक दार्शनिक की कहानी सुनाई। उन्होंने कहा कि जीत की तैयारी इतने शालीनता के साथ करो कि आपकी सफलता शोर मचा दे। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि युवाओं को अपनी जीवन शैली सुधारने के लिए कहा।

पिछले साल की उपलब्धियों का ब्योरा पेश किया-स्थापना दिवस पर विशाखापट्टनम के गीतम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च की प्रो वाइस चांसलर प्रो. डॉ. गीतांजलि बैटमैन बाने ने मुख्य भाषण दिया। इस मौके पर शोध दिवस में अच्छे पेपर प्रस्तुत करने वाले 19 शिक्षक और 24 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। संस्थान के निदेशक प्रो. आरके धीमन ने सभी का आभार जताया। पिछले साल की उपलब्धियों का ब्योरा पेश किया।अंगदान के लिए जागरूक करें डॉक्टर- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डॉक्टरों को ब्रेन डेड व्यक्तियों के घरवालों को जागरूक करने का प्रयास करना चाहिए। ऐसे व्यक्तियों के शरीर का अंतिम संस्कार कर दिया जाता है। इसके चलते वह शरीर किसी के काम नहीं आ पाता है। अगर अंगदान हो जाए तो एक ब्रेन डेड व्यक्ति से कई जरूरतमंदों को नया जीवन मिल सकता है। अगर नेता अंगदान की बात करते हैं तो उसे कम गंभीरता से लिया जाता है। वहीं अगर डॉक्टर यह बात कहेंगे तो उसे ठीक तरह से लिया जाएगा। यह इलाज से हटकर सामाजिक जिम्मेदारी है जिसे डॉक्टरों को निभाना चाहिए। हालांकि अभी भी काफी डॉक्टर यह काम कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी अस्पताल में भर्ती

लालकृष्ण आडवाणी को रूटीन चेकअप के लिए अपोलो अस्पताल ले जाया गया। वह फिलहाल डॉक्टर्स की निगरानी में हैं और उनकी हालत स्थिर है। इससे पहले इस साल अगस्त महीने में भी आडवाणी को अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था।वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी की तबीयत बिगड़ गई है, जिसके बाद उन्हें दिल्ली स्थित अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, लालकृष्ण आडवाणी को रूटीन चेकअप के लिए अपोलो अस्पताल ले जाया गया। वह फिलहाल डॉक्टर्स की निगरानी में हैं और उनकी हालत स्थिर है। इससे पहले इस साल अगस्त महीने में भी आडवाणी को अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जुलाई में भी देश के पूर्व गृह मंत्री लालकृष्ण आडवाणी को दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एम्स में डॉ. अमलेश सेठ की निगरानी में उनका इलाज किया गया था। उस वक्त आडवाणी को यूरोलॉजी विभाग में भर्ती कराया गया था।अपोलो अस्पताल ने बयान जारी कर बताया कि %भारत के पूर्व उप-प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को चिकित्सा प्रबंधन और जांच के लिए इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। वे डॉ. विनीत सूरी की देखरेख में हैं और फिलहाल उनकी हालत स्थिर है। 8 नवंबर, 1927 को पाकिस्तान के कराची में हुआ था। बीती 8 नवंबर को ही अडवाणी ने अपना 98वां जन्मदिन मनाया है।

'हम सबके अंदर होता है अंहकार, उसे नियंत्रित करने की जरूरत', उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भारतीय डाक और दूरसंचार लेखा एवं वित्त सेवा के 50वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के फलने-फूलने के लिए अभिव्यक्ति और संवाद जरूरी है।उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने लोकतंत्र के फलने-फूलने के लिए अभिव्यक्ति और संवाद के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने शनिवार को कहा कि अगर कोई जांच नहीं होगी तो संस्थान और व्यक्ति का पतन हो जाएगा। उन्होंने कहा, किसी शख्स या संस्था का पतन करने का सबसे सही तरीका यह है कि सज्जन इंसान को जांच से दूर रखा जाए। आप जांच से परे हैं, आपका पतन निश्चित है। इसलिए ऑडिट, सेल्फ ऑडिट जरूरी है।%सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस धनखड़ ने भारतीय डाक और दूरसंचार लेखा और वित्त सेवा (आईपी×टीएएफएस) के 50वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में यह बात कही। इस दौरान संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया भी मौजूद रहे। बता दें, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के 60 सासंदों ने सभापति के खिलाफ 67(बी) के तहत अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया है। यह देश के इतिहास में इस तरह का पहला कदम है। क्या बोले उपराष्ट्रपति?-

धनखड़ ने शनिवार को कहा कि संस्थाओं के लिए चुनौतियां अक्सर सार्थक संवाद और प्रामाणिक अभिव्यक्ति से पैदा होती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भावनाओं को व्यक्त करना और सार्थक संवाद करना दोनों ही लोकतंत्र के अनमोल रत्न हैं।अभिव्यक्ति और संचार एक दूसरे के पूरक हैं। दोनों के बीच सामंजस्य ही सफलता की कुंजी है। बुनियादी मूल्यों पर फलता-फूलता है लोकतंत्र - किसी भी लोकतंत्र में बुनियादी मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभापति ने कहा, लोकतंत्र केवल व्यवस्थाओं पर ही नहीं, बल्कि मूल मूल्यों पर भी फलता-फूलता है। इसे अभिव्यक्ति और संवाद के नाजुक संतुलन पर केंद्रित होना चाहिए। अभिव्यक्ति और संवाद, ये दोनों ही ताकतें लोकतांत्रिक जीवन को आकार देती हैं। उन्होंने आगे कहा कि उनकी प्रगति व्यक्तिगत स्थिति से नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक लाभ से मापी जाती है। उन्होंने यह भी कहा, भारत की लोकतांत्रिक यात्रा इस बात का उदाहरण है कि विविधता और विशाल जनसांख्यिकीय क्षमता किस प्रकार राष्ट्रीय प्रगति को बढ़ावा दे सकती है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करते हैं, हमें यह पहचानना होगा कि लोकतांत्रिक स्वास्थ्य और आर्थिक उत्पादकता राष्ट्रीय विकास में अविभाज्य भागीदार हैं। तेजी से बदलती तकनीकी और सामाजिक चुनौतियों के अनुकूल होना होगा। हम एक और औद्योगिक क्रांति के शिखर पर हैं। डिजिटल प्रौद्योगिकियों ने हम पर हमला कर दिया है। उन्होंने कहा, %आधुनिक सिविल सेवकों को तकनीक में दक्ष होना चाहिए, परिवर्तन के सूत्रधार होने चाहिए तथा उन्हें पारंपरिक प्रशासनिक सीमाओं से परे जाना चाहिए। सेवा हमारी आधारशिला है। प्रशासक, वित्तीय सलाहकार, विनियामक और लेखा परीक्षक के रूप में आपकी भूमिकाएं कल की चुनौतियों का सामना करने के लिए विकसित होनी चाहिए।

वायनाड को राहत पैकेज न देने पर सरकार के खिलाफ प्रियंका का फूटा गुस्सा, कहा– राजनीति के चलते मदद...

प्रियंका गांधी वाड्रा सहित केरल के विपक्षी सांसदों ने वायनाड में भूस्खलन प्रभावित लोगों के लिए वित्तीय सहायता की मांग को लेकर संसद के मकर द्वार पर विरोध प्रदर्शन किया। इन्होंने वायनाड के लिए राहत पैकेज की मांग की।कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने एक बार फिर मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने शनिवार को आरोप लगाया कि वायनाड में भूस्खलन से प्रभावित लोगों को राजनीति के चलते सहायता नहीं दी जा रही है। साथ ही कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के समय किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। संसद के बाहर विरोध जारी- बता दें, प्रियंका गांधी आपदा प्रभावित वायनाड को आर्थिक मदद देने की मांग को लेकर कई अन्य कांग्रेस सांसदों के साथ मिलकर संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। मकर द्वार की सीढ़ियों के सामने विरोध जताते हुए सांसदों ने %वायनाड के लिए न्याय% के नारे लगाए। उनके हाथों में एक बैनर भी था, जिस पर लिखा था, जस्टिस फॉर वायनाड, वायनाड के लिए राहत पैकेज दो।विशेष पैकेज देने की मांग- इसी दौरान वायनाड सांसद प्रियंका ने आरोप लगाया, %सरकार वायनाड को विशेष पैकेज देने से इनकार कर रही है। हमने गृह मंत्री से अनुरोध किया है, हमने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है। हिमाचल प्रदेश में भी इसी तरह की बड़े पैमाने पर तबाही हुई है और वहां कांग्रेस की सरकार है। वे केंद्र से मदद मांग रहे हैं, लेकिन फिर भी दोनों मामलों में केंद्र सरकार राजनीति के कारण पीड़ितों को उनका हक देने से इनकार कर रही है। वे भारत के नागरिक हैं। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए।% उन्होंने कहा, %वे भारत के नागरिक हैं। प्राकृतिक आपदाओं के समय, दर्द के समय, किसी भी प्रकार की पीड़ा के समय में कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। यह वह समय है जब केंद्र सरकार, प्रधानमंत्री को प्रत्येक भारतीय नागरिक के जीवन और उनकी आजीविका का संरक्षक होना चाहिए।% %राजनीति को अलग रखना चाहिए%- उन्होंने आगे कहा, %यही वह समय है जब उन्हें राजनीति को अलग रखना चाहिए और आवश्यक सहायता देनी चाहिए। हम वास्तव में बहुत निराश हैं कि हमें इस मामले को सामने रखना पड़ रहा है, जबकि प्रधानमंत्री ने खुद दर्द और पीड़ा देखी है। हमने मानवता और करुणा के कारण सोचा कि वायनाड के पीड़ितों को जो मिलना चाहिए वह उन्हें दिया जाएगा। सांसद अभी भी उम्मीद कर रहे हैं कि सरकार करुणा व मानवता रखेगी और जो भी करने की जरूरत है वह करेगी क्योंकि यह एक ऐसा मामला है जो राजनीति से परे है।% दो हजार करोड़ का नुकसान- इस महीने की शुरुआत में केरल के सांसदों द्वारा की गई मांगों पर गृह मंत्री अमित शाह की प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि नोट में सिर्फ भारतीय वायुसेना के विमान के ईंधन पर किए गए खर्च की बात की गई थी। उन्होंने कहा कि नुकसान 2,000 करोड़ रुपये का है, लेकिन यह सरकार पर निर्भर करता है कि वह कितना देना चाहती है। शाह से एक प्रतिनिधिमंडल ने की थी मुलाकात- इस महीने की शुरुआत में, वायनाड के सांसद के नेतृत्व में केरल के सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शाह से मुलाकात की थी, जिसमें भूस्खलन प्रभावित लोगों के लिए केंद्र के समर्थन की मांग की गई, जबकि उनसे राजनीति से ऊपर उठने और राहत प्रदान करने में और अधिक आगे बढ़ने का आग्रह किया गया। जुलाई में भूस्खलन ने मचाई थी भारी तबाही- केरल के वायनाड जिले में 30 जुलाई को मेप्पाडी के पास विभिन्न पहाड़ी इलाकों में आए भूस्खलन ने भारी तबाही मचा दी थी। इस प्राकृतिक आपदा के कारण 231 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 200 लोग लापता हैं। आपदा ने वायनाड में अट्टामाला के साथ-साथ तीन गांवों- पुंचिरीमट्टम, चूरालमाला और मुंडक्कई के बड़े हिस्से को तबाह कर दिया था।

तीसरी बार दिल्ली कूच असफलः हरियाणा पुलिस ने आंसू गैस-वाटर कैनन से रोके किसान, अब किसानों ने किए ये बड़े एलान

किसान शनिवार को तीसरी बार दिल्ली कूच के लिए आगे बढ़े, लेकिन इस बार भी पुलिस ने उन्हें रोक दिया। किसानों ने बैरिकेडिंग तोड़ने का प्रयास किया तो पुलिस ने पानी की बौछार कर उन्हें पीछे हटने को मजबूर कर दिया। इसके अलावा आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए।मांगों को लेकर बीते 10 महीनों से डटे पंजाब के किसानों ने शनिवार को शंभू बॉर्डर से दोपहर 12 बजे दिल्ली के लिए कूच किया। हालांकि वे बॉर्डर से आगे नहीं जा सके। पुलिस ने उन्हें रोक लिया। दो घंटे बाद किसान वापस लौट आए। इसके बाद प्रेस वार्ता कर किसान नेताओं ने एलान किया कि 16 दिसंबर को पूरे देश में ट्रैक्टर मार्च निकाला जाएगा और 18 दिसंबर को पंजाब में ट्रेनें रोकी जाएंगी।हमारी आवाज को न कुचलो- किसानों ने पुलिस से कहा कि हमारी

आवाज को न कुचला जाए। इस पर पुलिस ने कहा कि किसान दिल्ली जाने की अनुमति दिखाएं और आगे जाएं। पुलिस का कहना था कि यदि किसानों के पास अनुमति है तो वे खुद उन्हें दिल्ली तक छोड़कर आएंगे।बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश पर चली वाटर कैनन- इसके बाद किसानों की तरफ से बैरिकेडिंग तोड़ने का प्रयास किया गया। जिसके बाद पुलिस ने किसानों पर वाटर कैनन का प्रयोग किया। इसके अलावा आंसू गैस के गोले छोड़े गए। पुलिस की कार्रवाई से किसानों में भगदड़ मच गई। किसान कड़ाके की ठंड में ठंडे पानी से बचने के लिए इधर उधर भागने लगे। किसानों ने आरोप लगाया कि उन पर एक्सपायरी डेट के आंसू गैस के गोले छोड़े गए। गंदा पानी फेंकने का आरोप- किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने आरोप लगाया कि पुलिस की तरफ से गंदा पानी फेंका गया। केमिकल वाला स्प्रे किया गया। किसानों पर पुलिस ने ड्रोन से भी आंसू गैस के गोले छोड़े। दो घंटे बाद लौटे- करीब दो घंटे की कशमकश के बाद किसानों का जत्था वापस लौट गया। हम चाहते हैं कि देशभर के किसान अपनी आवाज उठाएं, अगर वो ऐसा करेंगे तो आंसू गैस समेत ये सारी चीजें बंद कर दी जाएंगी और हमें दिल्ली जाने दिया जाएगा और हमारी मांगें पूरी की जाएंगी। हरियाणा पुलिस जनता को गुमराह कर रही है। 100 लोगों का पैदल चलना देश के लिए खतरनाक कैसे हो सकता है?

संपादकीय Editorial

Holes in government hotels

'The cloak of announcements has come off, where preparations were being made for your celebration'. A decision of the honourable court has exposed the incompetence and system of government hotels in the tourism business of Himachal. The questions raised on the existence of eighteen hotels in the row are pointing towards a big void. It is a different matter that later on the request of the government, the court has allowed nine hotels to remain open till 31st March. In this way, hotels Chail, Chandrabhaga, Meghdoot, Log huts, Kunjum, Bhagsu, Dhauladhar, Castle Naggar and Khajjiar etc. can improve their fortunes in the celebrations of the coming and going year. The irony is that the state which wants to strengthen its economic picture with the help of tourism, its coating is coming off in its existing infrastructure. The wound has been deep somewhere, but the regret is not that we should learn from it. Where the corporation's hotels are sinking at the famous tourist places, on what logic are new complexes being built there in disdain of expenditure. The culprit before the court is not just the 18 tourist units, but the way of government functioning, which has been stealing fuel from its own lamps for years. For example, Dharamshala's cricket stadium alone has got half a dozen five-star hotels constructed, while the private sector is changing its attitude day and night at the level of national and international ranking. In such a situation, if four out of the total five tourism units of Dharamshala turned out to be useless, then all the possibilities were ruined in the cost of this fault. The construction of a banquet hall in the premises of Dhauladhar Hotel ate away the entire view and the attraction of the guests. The banquet hall did not work, but due to this the hotel also had to be sold. If the government hotels of Khajjiar, Dalhousie, Shimla, Dharamshala, McLeodganj or Manali become disabled, then will the units under construction in Naidun or Bilaspur be able to achieve their purpose tomorrow? In fact, government hotels are becoming more than their capacity and less than their duty. They want to hide their indifference in the helplessness of the guest. Apparently, a court decision has shown the true legal picture of the features of government hotels. Their helplessness is the thick neck of political references which has been filling its bag with unnecessary benefits. It is surprising that government hotels are becoming one side of the insult of the feet in the test of tourism state. Even though nine out of the eighteen hotels were saved for some time, but on the scale of investigation, there are many holes in their reality. These holes show how much the financial accountability of the state was ignored. Financial management was not ruined, rather the political pastures have looted the public sectors to such an extent that now the miracle of the government is falling flat on its face, yet new boats are being launched in the sea of ??expectations. We have already written that if the state has to brighten the tourism and transport sector, then it should consider schemes and projects in collaboration with the operators of the private sector. If the money coming from tourism is used to provide better facilities to the tourists, it will benefit the industry. It would be better if the government does not waste its resources on public hotels and buses at par with the private sector. To increase the quality in the public sector, services of some professionals, cooperation of the private sector and transparency in financial support will have to be brought in, otherwise government roofs will be auctioned in the same way.

BJP once again overpowers Congress, retains power in Maharashtra

One of the reasons for BJP's disappointing performance in the Lok Sabha elections in Maharashtra was that the people of the state did not like Ajit Pawar joining the BJP alliance, who was made the Deputy Chief Minister in the Eknath Shinde government. In the Lok Sabha elections, BJP had to suffer the loss of propaganda that it first caused a rift in Shiv Sena and then in NCP for power. The BJP-led alliance retained power by winning a spectacular victory in the Maharashtra Assembly elections. The victory of the BJP alliance in a politically and economically important state like Maharashtra is going to boost its morale. In Maharashtra, BJP along with its allies Shiv Sena (Shinde) and Nationalist Congress Party i.e. NCP (Ajit Pawar) performed better than expected. BJP's victory in the Assembly elections is notable because its performance in the Lok Sabha elections held a few months ago was disappointing. In the Lok Sabha elections, its allies and especially Ajit Pawar's NCP also suffered a setback. Before Maharashtra, BJP had also won in Haryana and that too when the conditions were favorable for Congress. It is clear that BJP once again prevailed over Congress. One of the reasons for BJP's disappointing performance in the Lok Sabha elections in Maharashtra was believed to be that the people of the state did not like Ajit Pawar joining the BJP alliance, who was made the Deputy Chief Minister in the Eknath Shinde government. In the Lok Sabha elections, BJP had to suffer the loss of the propaganda that it first caused a rift in Shiv Sena and then in NCP for power. It seems that sensing this, the leaders of Mahayuti i.e. BJP, Shiv Sena (Shinde) and NCP (Ajit Pawar) made special efforts to ensure that there is harmony in the alliance. The election results show that the leaders of these three parties were successful in demonstrating unity and winning the trust of the people. The leaders of Maharashtra Vikas Aghadi could not do this. On one hand, there was a tussle between them over seats and on the other hand, there was a lack of mutual trust. Due to this, all the three parties - Congress, NCP (Sharad Pawar) and Shiv Sena (Uddhav Thackeray) had to suffer losses in the assembly elections. Shiv Sena (Uddhav Thackeray) also suffered losses because it was seen as a part of a mismatched alliance. It seems that people did not like the fact that Shiv Sena, which always stood against Congress and NCP, went to their camp. Shiv Sena cannot blame anyone else for its pathetic condition. The role of Rashtriya Swayamsevak Sangh in the victory of BJP alliance in Maharashtra cannot be ignored. Since RSS workers were indifferent in Maharashtra like in other parts of the country during the Lok Sabha elections, BJP had to suffer a lot of losses. The reason for their indifference and displeasure was the statement of BJP President JP Nadda that now the party does not need the support of RSS. There are good reasons to believe that BJP was successful in removing the displeasure of RSS workers and getting their support in the elections. RSS must have also worked to create an atmosphere in favor of BJP in Maharashtra elections because its headquarters is in Nagpur and if BJP had not performed better, questions would have been raised on it too. While BJP's victory in Maharashtra is encouraging for it, the results of Jharkhand are disappointing. The election results of Jharkhand are making it clear that the corruption charges against Jharkhand Mukti Morcha leader and Chief Minister Hemant Soren, due to which he had to go to jail, had no effect on his supporters and especially the tribal society. The election results proved that Hemant Soren still has a good hold on the tribals. In Jharkhand, along with Jharkhand Mukti Morcha, Congress also performed well. Both the parties were successful in transferring their votes in favor of each other. This time in Jharkhand, the Rashtriya Janata Dal also strengthened the alliance by performing well. Even after all this, the Congress does not seem to be in a position to regain its lost support base in Jharkhand. It is clear that Hemant Soren's victory in Jharkhand is not going to boost the morale of the Congress like the BJP is going to do with the results of Maharashtra. Congress will have to depend on Jharkhand Mukti Morcha for its political existence. Its situation is going to be the same in Maharashtra as well. The truth is that its situation in Maharashtra seems to be getting worse. The NCP of Sharad Pawar, on which it used to rely, is now looking much weaker and it is certain that it cannot strengthen its position in Maharashtra with the support of Shiv Sena (Uddhav Thackeray). It is also a fact that Shiv Sena (Uddhav Thackeray) cannot do any good to itself by taking the support of Congress. In Jharkhand, neither BJP nor its ally could perform well. The issue of infiltration raised by BJP in this tribal dominated state did not work for it. Similarly, the issue of conversion raised by it also did not seem effective. The move of BJP to gain political advantage by bringing Champai Soren to its side also did not prove beneficial for it. It is known that Champai Soren became the Chief Minister after Hemant Soren went to jail and when Hemant became the Chief Minister again, she left Jharkhand Mukti Morcha in anger. The role of women voters was seen to be decisive in the elections of Jharkhand and Maharashtra. Both the states The measures taken by the ruling parties in the states to woo women voters proved to be effective. While the Majhi Ladki Behan Yojana attracted women in Maharashtra, the Maiyaan Samman Yojana in Jharkhand was successful in luring women. The schemes to woo women in Maharashtra and Jharkhand did show their effect, but not because some concrete work has been done for women empowerment in these two states, but because women found that money is being sent to their accounts by the government. Although Prime Minister Modi is against the culture of Revdi, but seeing the way women voters have started proving to be decisive, it is not possible for the BJP to keep itself away from this culture.

Message of mandate in Maharashtra and Jharkhand, what is the meaning of this victory or defeat?

The results of Maharashtra and Jharkhand gave the same message but the difference is clear that the issues which are effective in one state are not guaranteed to be effective in the other as well. It is visible that the slogan of 'If we divide, we will be cut or if we are united, we are safe' showed effect in Maharashtra but the issue of infiltration raised by BJP in Jharkhand was not successful. The election results of Maharashtra and Jharkhand are telling that the people of both the states gave the same mandate of maintaining the status quo with the message that whoever is in power should remain there with more strength. This is the reason that while in Maharashtra the alliance of BJP, Shiv Sena (Shinde) and NCP (Ajit Pawar) i.e. Mahayuti gained more political power, in Jharkhand Jharkhand Mukti Morcha, Congress and other allied parties strengthened themselves more than before. In both the states, the opposition not only faced disappointment but also got defeated as compared to before. More so in Maharashtra, because the Congress, NCP (Sharad Pawar) and Shiv Sena (Uddhav Thackeray) which are part of the Mahavikas Aghadi, together could not even secure 100 seats. After such a pathetic performance, it will not only be difficult for Sharad Pawar and Uddhav Thackeray to keep their parties relevant, but it will also be difficult for the Congress to remain the pivot of the INDIAA. The Congress can be satisfied with the fact that it will continue to taste power with its allies in Jharkhand, but it cannot celebrate due to the disappointing results of Maharashtra. All the more so because the credit for the victory in Jharkhand goes to Chief Minister Hemant Soren. The results of Maharashtra and Jharkhand are also saying that the Congress is not in a position to instill confidence in its allies that it can take on the BJP by taking over their leadership or by becoming an equal partner. The results of Maharashtra and Jharkhand certainly gave a similar message, but the difference is also clear that the issues which are effective in one state are not guaranteed to be effective in the other as well. It is evident that the slogan 'If we divide, we will be cut or if we are united, we are safe' in Maharashtra had an impact, but the issue of infiltration raised by the BJP in Jharkhand was not successful. It failed because the BJP did not have an answer to the question that if infiltration is happening, why is the central government unable to stop it? It is not surprising that the fear created by the Maha Vikas Aghadi in Maharashtra that minorities, that is, Muslims, are in danger, fell flat on its face. The lesson is that only those issues that affect the minds of the people prove to be beneficial. The result of Maharashtra is also highlighting that the people cannot be fooled forever with the help of fake narratives like the Constitution and reservation are in danger. The mandate of both the states is also giving a common message that the schemes that give money to women every month have become a big means of electoral success and now no party can turn away from them. Mahayuti gained more political power, in Jharkhand Jharkhand Mukti Morcha, Congress and other allied parties strengthened themselves more than before. In both the states, the opposition not only faced disappointment but also got defeated as compared to before. More so in Maharashtra, because the Congress, NCP (Sharad Pawar) and Shiv Sena (Uddhav Thackeray) which are part of the Mahavikas Aghadi, together could not even secure 100 seats. After such a pathetic performance, it will not only be difficult for Sharad Pawar and Uddhav Thackeray to keep their parties relevant, but it will also be difficult for the Congress to remain the pivot of the INDIAA. The Congress can be satisfied with the fact that it will continue to taste power with its allies in Jharkhand, but it cannot celebrate due to the disappointing results of Maharashtra. All the more so because the credit for the victory in Jharkhand goes to Chief Minister Hemant Soren. The results of Maharashtra and Jharkhand are also saying that the Congress is not in a position to instill confidence in its allies that it can take on the BJP by taking over their leadership or by becoming an equal partner. The results of Maharashtra and Jharkhand certainly gave a similar message, but the difference is also clear that the issues which are effective in one state are not guaranteed to be effective in the other as well. It is evident that the slogan 'If we divide, we will be cut or if we are united, we are safe' in Maharashtra had an impact, but the issue of infiltration raised by the BJP in Jharkhand was not successful. It failed because the BJP did not have an answer to the question that if infiltration is happening, why is the central government unable to stop it? It is not surprising that the fear created by the Maha Vikas Aghadi in Maharashtra that minorities, that is, Muslims, are in danger, fell flat on its face. The lesson is that only those issues that affect the minds of the people prove to be beneficial. The result of Maharashtra is also highlighting that the people cannot be fooled forever with the help of fake narratives like the Constitution and reservation are in danger.

बरेली में तैनात सिपाही को ट्रैक्टर-ट्राली ने रौंदा, मौत

हाफिजगंज थाने में मुख्य आरक्षी के पद पर तैनात थे जितेंद्र

मुरादाबाद- सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में बरेली के थाना हाफिजगंज में मुख्य आरक्षी के पद पर तैनात जितेंद्र पाल सिंह को तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली ने रौंद दिया। जिससे उनकी मौके पर मौत हो गई। चालक मौके से ट्रैक्टर-ट्राली लेकर फरार हो गया। सिपाही के बेटे रजत की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। साथ ही घटना स्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है। बता दें कि जितेंद्र पाल सिंह मूल रूप से अमरोहा देहात थाने के गांव मऊचक के रहने वाले थे। जो मुरादाबाद के आशियाना सी-एक में पत्नी सुमित्रा देवी उर्फ बॉबी, बेटे रजत और बेटी शगुन के साथ रहते थे। उनकी मौजूदा समय में बरेली के हाफिजगंज थाने में तैनाती थी। वह तीन दिन की छुट्टी लेकर घर पर आए थे। गुरुवार की रात वह करीब आठ बजे बाइक से बरेली घर आ रहे थे। वह आशियाना कालोनी से आगे चंद कदमों की दूरी पर पहुंचे ही थे कि तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली ने उन्हें रौंद दिया। जिससे वह लहूलुहान होकर सड़क पर गिर गए और चालक मौके से फरार हो गया। हादसे के वक्त जितेंद्र पाल सिंह पुलिस की वर्दी में थे। देखते ही देखते राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन, वहां पर मौजूद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। साथ ही आरोपी चालक की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है। जितेंद्र पाल सिंह की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

संभल में तीन की मौत: एक बाइक पर सवार थे युवक, वाहन ने रौंदा, सिर बुरी तरह कुचले... कपड़ों से हुई शिनाख्त

मुरादाबाद- सिरसी-बिलारी मार्ग पर वाहन की टक्कर से बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई। उनकी पहचान कुचले चेहरे के कारण कपड़ों से हुई। हादसे से गांव में शोक का माहौल है। सिरसी-बिलारी मार्ग पर स्थित बिजलीघर के पास शुक्रवार की रात करीब सवा आठ बजे अज्ञात वाहन ने एक ही बाइक पर सवार तीन युवकों को रौंद दिया। हादसे में मुरादाबाद जिले की तहसील बिलारी के गांव सोनकपुर निवासी बंटी शर्मा (27), संजय कश्यप (28) और सनी शर्मा (22) की मौके पर ही मौत हो गई। चेहरे कुचलने की वजह से परिजनों ने कपड़ों से पहचान की। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। गांव सोनकपुर निवासी विक्की ने बताया कि उसका भाई बंटी मुरादाबाद की एक फैक्टरी में मजदूरी करता था। शुक्रवार की रात साढ़े सात बजे उसका भाई बंटी कुछ देर में वापस आने की बात कहकर बाइक से घर से गया था। साथ में उसका मौसेरा भाई सनी और दोस्त संजय भी थे। रात करीब साढ़े आठ बजे उन्हें हादसे की सूचना मिली तो मौके पर पहुंचे तो चेहरे बुरी तरह कुचले होने की वजह से पहचान करना भी मुश्किल हो रहा था। बाद में कपड़ों से तीनों की पहचान की। बताया कि बंटी और सनी की एक-एक वर्ष पहले ही शादी हुई थी। बच्चा कोई नहीं है। संजय अविवाहित था। सभी के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया। पति की मौत की खबर सुनकर बेसुध हो गई पत्नी- बंटी की शादी एक वर्ष पहले मधु शर्मा के साथ हुई है। उसकी पत्नी गर्भवती है। पहले बच्चे के जन्म को लेकर परिवार में खुशी का माहौल था। अचानक हुए हादसे ने खुशियों को छीन लिया है। जैसे ही पति की मौत की खबर मिली तो मधु बेसुध हो गई। उसका रो-रोकर बुरा हाल था। सिर बुरी तरह कुचले कपड़ों से हुई शिनाख्त-बाइक सवार तीनों युवकों ने हेलमेट नहीं लगाया था। हादसे के दौरान वाहन से तीनों के सिर बुरी तरह कुचल गए। जिसके चलते चेहरे से पहचान नहीं हो पा रही थी। परिजनों ने भी कपड़ों से पहचान की। बंटी के भाई ने बताया कि तीनों उसके सामने बाइक से निकले थे। इसलिए पूरा ध्यान था कि किसने किस रंग के कपड़े पहने हैं। इसलिए पहचान कर ली। ट्रैक्टर-ट्रॉली से हादसा होने की चर्चा- हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को कुछ लोगों ने बताया कि गन्ने लदे ट्रैक्टर-ट्रॉली से हादसा हुआ है। हादसे के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर चालक भाग गया। पुलिस ने जानकारी के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली की तलाश शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि हादसे के बाद मौके पर पुलिस पहुंची तो वाहन नहीं था। लोगों ने जैसी जानकारी दी है उसके आधार पर तलाश की जा रही है।

कांग्रेसियों ने की बैठक, विधानसभा घेराव को सफल बनाने के लिए बनाई रणनीति

मुरादाबाद- 18 दिसंबर को विधानसभा घेराव की तैयारियों को लेकर कांग्रेस पदाधिकारियों ने बैठक कर रणनीति बनाई। इसके लिए जिले में महानगर और हर ब्लॉक से कार्यकर्ताओं को ले जाने के लिए जिम्मेदारी दी गई। जिले के सभी ब्लॉकों व महानगर के सभी वार्डों से कार्यकर्ताओं को लखनऊ ले जाने की घोषणा जिला व महानगर अध्यक्षों ने संयुक्त रूप से शनिवार को महानगर कांग्रेस कमेटी के चौमुखापुल कार्यालय पर बैठक में की। पत्रकारों से बातचीत में बताया कि जिला प्रभारी मिथुन त्यागी को भी आना था पर किसी कार्य के चलते वे आ नही पाए। उनकी अनुपस्थिति में जिलाध्यक्ष असलम खुर्शीद व महानगर अध्यक्ष अनुभव मेहरोत्रा ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि प्रदेश में फैल रही सरकारी अराजकता के विरोध में कांग्रेसी 18 दिसम्बर को विधानसभा घेरेंगे। पूरे प्रदेश के सभी जनपदों से कार्यकर्ताओं को लखनऊ पहुंचने के निर्देश प्रदेश इकाई ने दिये हैं। कार्यक्रम की अगुवाई प्रदेश अध्यक्ष अजय राय करेंगे। इसमे राष्ट्रीय नेताओं के अलावा अन्य शीर्ष नेताओं के भी मौजूद रहने की पूरी सम्भावना है। जिलाध्यक्ष असलम खुर्शीद ने बताया कि जिले के सभी आठों ब्लॉकों की भागेदारी इसमें रहेगी। वहीं महानगर अध्यक्ष अनुभव मेहरोत्रा ने सभी वार्डो से भीड़ ले जाने की घोषणा की। इस दौरान असद मौलाई, अफजल साबरी, शिवराज गूजर, अनुराग शर्मा, मो हनीफ, नदीमुद्दीन (पार्षद), शादान, अब्दुल रऊफ, बीके वारसी अदनान खां भी मौजूद रहे।

नियम किए दरकिनार, सपा नेताओं को मिलाने के लिए जेल का बड़ा फाटक खोला, जांच के बाद तीन अफसर निलंबित

मुरादाबाद- संभल हिंसा के आरोपियों से सपा नेताओं की जेल में मुलाकात के मामले में मुरादाबाद जेल अधीक्षक पीपी सिंह को निलंबित कर दिया गया है। डीजी जेल की सिफारिश पर शासन ने यह कार्रवाई की। इससे पहले जेलर और डिप्टी जेलर को भी निलंबित किया गया था। जांच में पता चला कि सपा नेताओं को मिलवाने के दौरान नियमों का उल्लंघन किया गया। संभल हिंसा के आरोपियों से सपा नेताओं की जेल में मुलाकात कराने के मामले में शासन ने मुरादाबाद जेल के अधीक्षक पीपी सिंह को भी निलंबित कर दिया है। उनके खिलाफ डीजी कारागार ने शासन से अनुशासनिक कार्रवाई करने की संस्तुति की थी, जिसके बाद शासन ने उन्हें निलंबित करने का निर्णय लिया है।संभल हिंसा के आरोपियों से दो दिसंबर को सपा विधायक नवाब जान,चौधरी समरपाल सिंह, पूर्व सांसद एसटी हसन के साथ कई सपा नेताओं ने मुरादाबाद जेल में मुलाकात की थी। इसकी शिकायत होने पर शासन के निर्देश पर डीजी जेल ने डीआईजी जेल कुंतल किशोर से जांच कराई गई थी।शासन के सख्त रुख के बाद डीजी जेल पीवी रामाशास्त्री ने चार दिसंबर को मुरादाबाद जेल के जेलर विक्रम सिंह यादव और डिप्टी जेलर प्रवीण सिंह को निलंबित कर दिया था। वहीं, लापरवाही बरतने के आरोपी जेल अधीक्षक पीपी सिंह के खिलाफ कार्रवाई की शासन से सिफारिश की थी। शुक्रवार को शासन स्तर से जेल अधीक्षक को निलंबित करने का आदेश जारी कर दिया गया। शासन को रिपोर्ट पहुंचने पर डीआईजी जेल कुंतल किशोर जिला जेल में जांच करने के लिए आए। पूछताछ के दौरान बंदीरक्षकों और जेल कर्मियों ने जेल अधिकारियों और सपा नेताओं की मुलाकात का कच्चा चिट्ठा खोलकर रख दिया।आरोप लगाया कि कि सपा नेताओं के आने पर जेल अधिकारियों ने जेल का बड़ा फाटक खोल दिया था। अमूमन डीआईजी या डीएम के आने पर ही बड़ा फाटक खोला जाता है। बड़ा फाटक खोलने के लिए जेल अधीक्षक का निर्देश जरूरी होता है।

संभल में मुस्लिम आबादी में 46 साल बाद खुला शिव मंदिर; 1978 में दंगे के बाद हिंदू परिवार ने छोड़ा था ये घर

मुरादाबाद- उत्तर प्रदेश के संभल जिले के महमूद खां सराय में एक बंद मकान में शिव मंदिर मिला है। यह मकान 1978 के दंगे के दौरान हिंदू परिवार का था। बाद में इसको बेच दिया गया। बताया जा रहा है कि तब से यह बंद पड़ा था। संभल के शाही जामा मस्जिद क्षेत्र में शनिवार सुबह जिला प्रशासन ने अतिक्रमण और बिजली चोरी के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाया। इस दौरान 46 साल से बंद भगवान शिव का मंदिर खुलवाया गया। पाया गया, जो 1978 के दंगे के दौरान हिंदू यह बंद पड़ा था। जिला अधिकारी (डीएम) बिश्नोई की निगरानी में मंदिर की सफाई कराई ने बताया कि मकान के मालिकाना हक को क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने और बिजली चोरी ने इलाके में सड़कों, नालों से अतिक्रमण हटाने इस अभियान में 300 से अधिक मकानों में हैं। टीम ने पाया कि एक मस्जिद में 59 पंखे, बिजली चोरी से चलाए जा रहे थे। विद्युत कि दोषियों पर कार्रवाई हो रही है। पुलिस ने प्लाटून पुलिस बल तैनात किया है। प्रशासन मस्जिदों में भी बिना कनेक्शन चलती मिली और एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई के नेतृत्व में खेड़ा और दीपा सराय में चेकिंग अभियान कई मस्जिदें भी शामिल हैं। सभी के खिलाफ का जुर्माना भी लगाया जाएगा। डीएम ने बताया कि संभल शहर में सबसे ज्यादा लाइनलॉस इन्हीं इलाके में होता है। हर महीने करोड़ों रुपये की बिजली चोरी की जाती है। बिजली विभाग की टीम प्रभावी तरीके से कार्रवाई नहीं कर पाती है। इसलिए यह कार्रवाई शनिवार की सुबह से शुरू कराई गई है। बताया कि अतिक्रमण भी हटवाया जा रहा है। अतिक्रमण करने वालों पर होगी कार्रवाई- जामा मस्जिद क्षेत्र में शनिवार को बिजली चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान 46 साल से बंद भगवान शिव और हनुमान के मंदिर का पता चला। मंदिर को अतिक्रमण कर घरों में तब्दील कर दिया गया था। प्रशासन ने मंदिर को साफ कराया और अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही है। जिला अधिकारी (डीएम) डॉ. राजेंद्र पेंसिया ने बताया कि बिजली चोरी के खिलाफ अभियान के दौरान एक मंदिर मिला, जिसे अतिक्रमण कर बंद कर दिया गया था।मंदिर की सफाई कराई जा रही है और इसके पास स्थित एक प्राचीन कुएं के ऊपर रैंप बनाया गया था। रैंप हटाने पर कुआं मिला। मंदिर को उसके असली मालिकों को सौंपा जाएगा और अतिक्रमण करने वालों पर कार्रवाई होगी। इसके साथ ही पुरातत्व विभाग (एएसआई) से मंदिर की प्राचीनता का पता लगाने के लिए कार्बन डेटिंग कराने को कहा गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) श्रीश चंद्र ने बताया कि जांच में पाया गया कि कुछ लोगों ने मंदिर पर कब्जा कर घर बना लिए थे। मंदिर में भगवान शिव और हनुमान की मूर्तियां मौजूद हैं। पहले इस इलाके में हिंदू परिवार रहते थे, लेकिन किसी कारणवश क्षेत्र छोड़कर चले गए। मंदिर को अब साफ कराया जा रहा है और अतिक्रमण करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। प्राचीन कुएं के बारे में भी जानकारी मिली है, जिसकी जांच की जा रही है। इस कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। प्रशासन ने साफ किया है कि किसी भी धार्मिक स्थल या सार्वजनिक संपत्ति पर अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अतिक्रमण करने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

यह मंदिर महमूद खा सराय इलाके में एक बंद मकान में परिवार का था। बाद में मकान बेच दिया गया और तब से राजेंद्र पेंसिया और पुलिस अधीक्षक (एसपी) कृष्ण कुमार गई और कुएं की खुदाई शुरू कराई गई है। डीएम पेंसिया लेकर जांच की जा रही है।साथ ही, शाही जामा मस्जिद रोकने के लिए सख्त कार्रवाई जारी है। प्रशासन की टीम के आदेश दिए हैं। बिजली चोरी के खिलाफ चलाए गए बिजली चोरी पकड़ी गई। इनमें कई मस्जिदें भी शामिल एक फ्रिज, वॉशिंग मशीन और 25-30 लाइट प्वाइंट विभाग के अधिशासी अभियंता नवीन गौतम ने बताया बिजली विभाग की टीमों की सुरक्षा के लिए क्षेत्र में दो की इस सख्त कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। बिजली- नखासा थाना क्षेत्र में डीएम डॉ राजेंद्र पैंसिया बिजली विभाग की टीम ने रायसत्ती, नखासा, हिन्दूपुरा चलाया। कई मकानों में बिजली चोरी पकड़ी है। इसमें बिजली चोरी की रिपोर्ट दर्ज की जानी है। लाखों रुपये

संक्षिप्त समाचार

पिता की डांट से नाराज बेटे ने फंदा लगाकर दी जान

बाइक में तेज आवाज के हार्न लगवाने को पिता ने किया था मना

मुरादाबाद- कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कनोबी में पिता की डांट से क्षुब्ध होकर बेटे ने खेत में जाकर पेड़ में फंदा डालकर आत्महत्या कर ली। जब ग्रामीण खेत में पहुंचे तब घटना की जानकारी हुई। सूचना पर कोतवाली के लिए साथ ही के एक ने कनोबी कि सान पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के भिजवाया फोरेंसिक टीम बुलाकर साक्ष्य कराए। क्षेत्र के गांव निवासी धर्म सिंह का बेटा विशाल लोधी (17) मुरादाबाद में लाकड़ी रोड पर एक निजी फॉर्म में अपने तहेरे भाई रवि के साथ नौकरी करता था। उसने पुरानी बाइक लेकर उसमें तेज आवाज के बड़े हॉर्न लगवाए थे। जब विशाल बाइक में हॉर्न लगवा कर घर पहुंचा तब पिता धर्म सिंह ने उसे समझाया और कहा कि इतने बड़े हॉर्न नहीं लगवाने चाहिए थे। पुलिस बाइक का चालान कर देगी। जिस पर विशाल नाराज था। परिजनों के अनुसार शुक्रवार की सुबह भी विशाल के पिता ने उसे बाइक से हॉर्न निकलवाने को कहा था। यह बात विशाल को इतनी नागवार गुजरी कि वह सुबह लगभग 7:30 बजे घर से बिना कुछ बताए निकल गया। लगभग 9:30 बजे जब कुछ किसान खेत पर पहुंचे तब उन्होंने देखा कि शहतूत पेड़ पर एक युवक लटका हुआ है। इसके बाद तुरंत ही खेत मालिक अमर सिंह ने 112 नंबर पर पुलिस को फोन कर सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पेड़ से उतरवाया। सूचना पर विशाल के परिजन भी मौके पर पहुंचे तो उनके पैरो तले जमीन खिसक गई। इसके बाद परिजनों में कोहराम मच गया। पिता धर्म सिंह बेहोश होकर गिर गए और मां पुष्पा का भी हाल बेहाल हो गया। पीआरवी पुलिस ने कोतवाली प्रभारी लखपत सिंह को घटना की जानकारी दी। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची साथ ही फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुला लिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम को भिजवा दिया गया। मृतक विशाल लोधी के तहेरे भाई रवि ने बताया कि पिछले एक साल से दोनों मुरादाबाद काम करने जा रहे थे। बताया कि विशाल सरल स्वभाव का युवक था। इसके अलावा परिवार में छोटा भाई विक्की और दो बहन काजल और यशोदा हैं। बताया कि दोनों बहनों की शादी हो चुकी है यशोदा की शादी अभी कुछ दिन पूर्व ही हुई है। आत्महत्या करने से पहले फेसबुक स्टोरी पर लगाया था सुसाइड संबंधी गाना -पिता द्वारा बाइक में हॉर्न लगवाने का विरोध करने की बात को विशाल इस कदर दिल पर लगा लेगा इसका किसी को अनुमान नहीं था। विशाल कक्षा 8 तक ही गांव के जूनियर स्कूल में पढ़ा था। इसके बाद वह पिता के साथ खेतीबाड़ी के अलावा एक साल पहले मुरादाबाद के निजी फॉर्म में काम करने लगा था। जब शुक्रवार को उसने आत्मघाती कदम उठाने का फैसला लिया तब उससे कुछ समय पूर्व उसने अपनी फेसबुक स्टोरी पर सुसाइड संबंधी गाना लगाया था। जो युवा उसे देख रहे थे जब तक वह कुछ समझ पाते तब तक विशाल की मौत की खबर आ गई। अपने आप को कोसते रहे धर्म सिंह -विशाल के पिता धर्म सिंह ने सपने में भी यह नहीं सोचा था कि विशाल उनकी इतनी छोटी सी बात को अपनी मौत की वजह बना लेगा। वह रोते हुए एक ही बात कह रहे थे कि उन्होंने तो उसे समझाने की बात कही थी पर उसने उनकी बात को अपनी मौत की वजह बना ली। अब मैं भी जी कर क्या करूंगा। बार-बार विशाल के पिता धर्म सिंह अपने आप को खत्म करने की बात कर रहे थे, वही मां पुष्पा, बहन काजल व यशोदा भी बेसुध होकर जमीन पर गिर गई। मौके पर रिश्तेदार और ग्रामीण बड़ी संख्या में परिवार को ढांढस बंधाते रहे।

हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश , उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

जीते जी न हो सके एक... युवक-युवती ने उठाया ऐसा कदम, अमर हो गई प्रेम कथा; रुला देगी प्रेमियों की कहानी

यूपी के अयोध्या में प्यार में असफल प्रेमी युगल ने खौफनाक कदम उठाया। शुक्रवार की रात उन्होंने छप्पर की बड़ेर से लटककर जीवनलीला समाप्त कर ली। घरवालों ने देखा तो रोना-पीटना शुरू हो गया। देखते ही देखते लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके साक्ष्य जुटाए। मौजूद लोगों से बात करके जानकारी जुटाई। घटना रौनाही थाना क्षेत्र के पिरखौली गांव की है। गांव निवासी दिवाकर और राधा एक दूसरे से प्रेम करते थे। जब उन्हें लगा कि वह समाज की बंदिशों को तोड़कर एक न हो पाएंगे तो एक निर्णय लिया। निर्णय लिया कि साथ जी नहीं सकते लेकिन मर तो सकते हैं। छप्पर की बड़ेर में लटककर जान दे दी-शुक्रवार की देर रात वह गांव के ही पंचम के घर के पास पहुंचे। यहां छप्पर की बड़ेर में लटककर जान दे दी। शनिवार सुबह लोगों ने देखा तो भीड़ लग गई। सूचना पर एसएसपी राजकरन नय्यर पुलिस टीम के साथ पहुंचे। उन्होंने घटना की जानकारी ली। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। प्रेम-प्रसंग के बारे में जानकारी नहीं थी- परिजन-थाना प्रभारी पंकज सिंह ने बताया कि इस घटना के बारे में दोनों के परिवारों से बात की गई है। परिवार के सदस्यों के अनुसार उनके प्रेम-प्रसंग के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। उनका कहना है कि यदि उन्हें पता होता तो इस रिश्ते को लेकर विचार कर सकते थे। युवक और युवती स्वजातीय थे। फिलहाल पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। संबंधित लोगों से पूछताछ की जा रही है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 269729 वादों का सुलह समझौते के आधार पर हुआ सफल निस्तारण

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली । राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरणए नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के दिशा निर्देशन में दिनांक 14 दिसम्बर2024 दिन शनिवार को जनपद न्यायाधीश श्री सुधीर कुमारए अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बरेली,द्वारा, राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारम्भ देवी सरस्वती एवं गणेश भगवान की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायिक अधिकारियोंए विभिन्न बैंकोंए बीमा कंपनियों के अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया एवं लंबित वादों का निस्तारण कराया। अपर जनपद न्यायाधीश श्री हरेन्द्र बहादुर सिंह, नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय लोक अदालत, बरेली ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से कुल 269729 वादों का सफल निस्तारण कर 274938617 रुपये की धनराशि का आदेश पारित किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में सत्र न्यायालयों द्वारा 385 वादों का निस्तारण कर 28800 रुपये की जुर्माना राशिए दीवानी न्यायालयों द्वारा 10470 वादों का निस्तारण कर 2340552 रुपये की जुर्माना राशि, फौजदारी न्यायालयों द्वारा 3753 वादों का निस्तारण कर 799670 रुपये की जुर्माना धनराशि का आदेश पारित किया गया। लोक अदालत में गिले शिकवे दूर कर पारिवारिक न्यायालयों द्वारा 123 जोड़ो को विदा किया गया। प्रधान न्यायाधीश, श्री राजेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी नें 15 दम्पतियों को सुलह समझौते के साथ विदा कियाए अपर प्रधान न्यायाधीश शिवानी सिंह, प्रतिभा सक्सेना व सुनीता शर्मा द्वारा 108 वादों का निस्तारण किया गया। मोटर दावा दुर्घटना अधिकरण द्वारा 292वादों का निस्तारण कर137855500 रुपये की समझौता धनराशिए वाणिज्यिक न्यायालय द्वारा 7 वादों का निस्तारण कर 6556996 रुपये की समझौता धनराशि एवं स्थाई लोक अदालत द्वारा वादों का 2 वादों का सफल निस्तारण कर 500000 रुपये की समझौता धनराशि का आदेश पारित किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत में 38375 वादों का सम्भागीय परिवहन विभाग द्वारा 1160 मामलों का निस्तारण कर 681850 रुपये की समझौता राशि, पुलिस विभाग द्वारा 21342 मामलों का जिसमें 14738 ई चालानों का निस्तारण कर 5791100 रुपये की जुर्माना राशि, कैनाल न्यायालय द्वारा 10 मामलों का निस्तारण कर 1000 रुपये की समझौता राशि, उपभोक्ता फोरम द्वारा 1 वाद का निस्तारण कर 16000 रुपये की समझौता राशि,श्रम न्यायालय द्वारा 1016 वादों का निस्तारण कर 29786673 रुपये की समझौता राशि, बी,डी,ए द्वारा 3 वाद, स्वास्थ्य विभाग द्वारा 182234 मामलों काए नगर निगम द्वारा 8035 मामलों का निस्तारण किया गया तथा भारत संचार निगम लिमिटेड द्वारा 229 मामलों का निस्तारण कर 196476 रुपये की समझौता धनराशि का आदेश पारित किया गया। हस्तशिल्प वस्तुओं की एवं केन्द्रीय कारागार प्रथम बरेली में निरुद्ध बन्दियों द्वारा तैयार की गयीं हस्तशिल्प वस्तुओं की तथा केन्द्रीय कारागार द्वितीय/ कारागार, बरेली में निरुद्ध बन्दियों द्वारा तैयार किये गये औषधीय पौधों की प्रदर्शनी लगायी गयी एवं विक्रय किया गया। लोक अदालत परिसर में स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार की गयी वस्तुओं का भी विक्रय किया गया।सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अजय कुमार शाही ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में आम जनता को परेशानियों से बचाने और जानकारी देने के लिए लोक अदालत परिसर में हेल्प डेस्क बनाया गया जिसमें पैरा लीगल वालंटियर उपस्थित रहे। राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने में समस्त न्यायिक अधिकारियोंए बैंक.बीमा कंपनी के अधिकारियोंए अन्य न्यायिक कर्मचारियों, पराविधिक स्वयं सेवकों तथा मीडिया कर्मियों का भी योगदान रहा।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ आवटिक प्लेटों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली जिलाधिकारी शामली श्री अरविन्द कुमार चौहान ने आज अपने आवास कार्यालय पर सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ उनके आवंटित प्लाटों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा निर्माण हो चुके तथा निर्माण होने वाले कार्यालय के आगणन एवं किस स्थिति में है के बारे में विभागीय अधिकारियों से जानकारी की गई तथा उन्हें निर्देशित किया गया कि जिन विभागों के डीपीआर नहीं गए हैं वह अति शीघ्र डीपीआर बनाकर भिजवाना सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने प्लांट संख्या के अनुसार उनमें साफ सफाई हेतु भी निर्देशित किया। डीएम ने निर्देशित किया कि इस कार्य में किसी भी प्रकार के लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी सहित सभी संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहें।

हैरिटेज बरेली की ओर से धर्म कांटे स्थित कार्यालय पर बैठक आयोजित की गई

क्यूँ न लिखूँ सच
सत्यम शर्मा

बरेली । प्रगति द प्रोग्रेस फाउंडेशन रोटरी क्लब ऑफ बरेली हैरिटेज बरेली की ओर से धर्म कांटे स्थित कार्यालय पर बैठक आयोजित की गई। संस्था की अध्यक्ष भावना वर्मा ,शिल्पी शर्मा सचिव,शालिनी विद्यार्थी अंजू गुप्ता, डॉक्टर रश्मि शर्मा, डॉक्टर शहजान बेगम, डॉ ऋचा टंडन

क्षमा जैन, ने 650 थैला व थाली भेंट की गई। पर्यावरण गतिविधि को थाली और थैला प्राप्त हुए है। जिसमें शहर वासियों का अच्छा सहयोग प्राप्त हो रहा है। महाकुंभ में पर्यावरण संरक्षण गतिविधि की ओर से महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं के लिए एक थैला, एक थाली वितरण किए जाएंगे। जिससे पर्यावरण दूषित न हो। थैला और थाली अभियान में स्टील की भोजन थाल व कपड़े के थैला संग्रहित किया जा रहे हैं। बैठक में नगर सह कारवा प्रसून अग्रवाल, पर्यावरण महानगर सह संयोजक मनोज बाजपेई ने बताया। कि यह अभियान 15 दिसंबर तक चलाया जा रहा है

हत्या के मामले में न्यायालय ने अभियुक्त को सुनाई आजीवन कारावास की सजा

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

उरई जालौन मुकदमे में सजा पाने वाले अभियुक्त, लोकेंद्र राठौर पुत्र स्वर्गीय रामसेवक राठौर निवासी ग्राम छाना थाना रामपुरा जनपद जालौन द्वारा की गई हत्या के संबंध में वादी की तहरीर पर थाना रामपुरा में मुकदमा पंजीकृत हुआ था एवं आरोपी लोकेंद्र राठौर उपरोक्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था तथा विवेचक द्वारा प्रभावी साक्ष्य संकलन व गवाहों के बयान अंकित करते हुए वैज्ञानिक तरीके से विवेचना पूर्ण कर अभियुक्त के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया गया जालौन पुलिस टीम एवं अभियोजन पक्ष तथा कोर्ट पैरोकार के द्वारा अथक प्रयास एवं प्रभावी पैरवी करते हुए दिनांक 13 /12 /2024 को माननीय न्यायालय ऐ डी जे स्पेशल श्रीमती पारुल पंवार ई सी कोर्ट उरई जनपद जालौन द्वारा अभियुक्त लोकेंद्र राठौर उपरोक्त को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास एवं 40000 जुर्माना अर्थ दंड से दंडित किया गया

अदिति का सिविल जज हेतु चुनाव होने पर विभिन्न संगठनों द्वारा हर्ष व्यक्त

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली की गार्डन सिटी निवासी अदिति शर्मा को छत्तीस गढ़ में सिविल जज(जूनियर डिवीजन) के पद पर चुने जाने पर विभिन्न संगठनों ने हर्ष व्यक्त किया है।इनमें मुख्य रूप से कर्नल पतंजलि शर्मा स्मृति समिति,रोटरी क्लब संगठन,माल्यार्थ फाउंडेशन एवं सोसायटी इत्यादि शामिल हैं। पदाधिकारियों एवं प्रख्यात आचार्य देवेन्द्र देव, सुमन रोटे.पी.पी.सिंह, डॉ.राजेन्द्र कुमार शर्मा च्यवन, सुधांशु भशर्मा, सचिन श्याम प्रवीन अग्रवाल,सुरेन्द्र बीनू त्रिवेदी, ,डॉ.रजनीश सक्सेना,प्रो.आशुतोष प्रिय,डॉ.मुकेश मीत, हिमांशु श्रोत्रीय,कुलदीप वर्मा,प्रभाकर मिश्र,सुरेश बाबू मिश्रा,अमित शुक्ला,राजीव गोस्वामी डॉ.नितिन सेठी,जय वल्लभ कान्डपाल,अशोक सक्सेना,राजीव गुप्ता,रोहित राकेश आदि ने अदिति को बरेली एवं परिवार का नाम रोशन करने हेतु बधाइयां देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। तथा उनके पिता सी.जे.एम.बरेली कोर्ट के रीडर सुनील शर्मा तथा मां एवं भाई एडवोकेट आदित्य को भी बधाइयां दी गयीं।

क्विज कम्पटीशन में अभय कटियार रहे प्रथम

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।श्री लालता प्रसाद सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज नवाबगंज में शनिवार को ज्योति कालेज ऑफ़ मैनेजमेंट साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी के शिक्षा विभाग के वरिष्ठ प्रवक्ता सूर्यकांत मिश्रा, शिवकुमार द्वारा एक क्विज कंपटीशन का आयोजन किया गया। जिसमें कालेज में पढ़ने वाले दस ,बारह के छात्र -छात्राओं ने हिस्सा लिया।छात्र अभय कटियार ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि द्वितीय स्थान पर छात्रा अंजलि गंगवार, तृतीय स्थान पर शिवम् रहे।सभी विजयी प्रतिभागियों को प्रधानाचार्य अजय गौड़ ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया।इस मौके पर कालेज का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

ऑडिट टीम ने सत्यापन कर लाभार्थियों से की जानकारी

क्यूँ न लिखूँ सच -नाजिम हुसैन अंसारी

मुरादाबाद- डिलारी। सोशल आडिट टीम ने विकास खण्ड डिलारी के महेशपुर ग्राम पंचायत में पहुंचकर मनरेगा आवास वृक्ष रोपण , वृद्धा पेंशन का स्थलीय निरीक्षण किया। लाभार्थियों से जानकारी की।पंचायत भवन में खुली बैठक कर श्रमिकों से मनरेगा में हुये कार्यो की जानकारी ली। प्रधान नरेश पाल , रोजगार सेवक जाने आलम के अलावा गांव के लोगो की मौजूदगी रही। सोशल आडिट टीम ने यहां पहुंचकर मनरेगा में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने आवासों का स्थलीय निरीक्षण किया परन्तु ग्राम पंचायत को अभी तक कोई भी प्रधानमंत्री आवास नहीं मिला है जिस कारण किसी भी लाभार्थी को इस का लाभ नहीं मिला। वृद्धा पेंशन के बारे में लाभार्थियों से घर घर जाकर जानकारी की।विस्तार से टीम को लोगों ने जानकारी दी। सोशल आडिटर राय सिंह ने बताया की विकास खण्ड डिलारी की महेशपुर ग्राम पंचायत में छूट पूट कमियों को छोड़कर बाकी सभी कुछ सही पाया गया। काफी देर तक टीम रुकी रही। बाद में सोशल आडिट टीम जांच कर लौट गयी। इस मोके पर सोशल आडिटर राय सिंह ग्राम प्रधान नरेश पाल, रोजगार सेवक जाने आलम , अमित कुमार, एव गांव के श्रमिक और महिलाये मौजूद रही।

वारंट तामील न करने पर एसएसपी ने तीन दरोगा और तीन सिपाही करे सस्पेंड

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने लापरवाह तीन दरोगा और तीन सिपाहियों के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है। पीलीभीत कोर्ट से जमानती और गैर जमानती 29 वारंट जारी होने के बावजूद पुलिस ने उसे तामील नहीं कराया। एसएसपी ने अलग अलग मामले में तैनात दो दरोगा और दो सिपाही को सम्मन समय पर तामील ना कराने के लिए निलंबित किया है। विशारतगंज में तैनात दरोगा ने कुर्क किए गए सामान की चिट बन्दी नहीं हाफिजगंज थाने में तैनात सिपाही पर आरोप जिस वजह से उसे निलंबित किया और सस्पेंड, हाफिजगंज के सिपाही पर भी गिरी को गाजियाबाद, बागपत और नोएडा की लेकिन दरोगा 40 दिन बाद तामील कराकर रंगा जिला खटीमा के सम्मनों को तामील दिया गया था, लेकिन 30 दिन बाद तामील को फिरोजाबाद, बदायूं और शाहजंहापुर दिन का समय दिया गया, लेकिन 17 दिन कुमार को बदायूं जिले के सम्मनों को 29 दिन का समय लगाया। इस कारण दिया है। इसके अलावा हाफिजगंज थाने में तैनात सिपाही नवीन कुमार ने आरोपी के वारंट का सम्मन तामील नहीं कराया। इसमें काफी लापरवाही बरती गई, इसलिए सिपाही नवीन को भी निलंबित कर दिया है। कुर्की का सामान हाजिर न करने पर नपे दरोगा-विशारतगंज थाने में तैनात दरोगा जोगेन्द्र सिंह ने कोर्ट के आदेश पर कुर्क किए गए मकान के सामान की चिट बन्दी नहीं की, वही सामान को हाजिर भी नहीं किया। इसके साथ ही वारंट होने के बाद भी आरोपियों को गिरफ्तार करने से बचते रहे, और वारंट की साढ़े तीन लाख रुपये न वसूलने के चक्कर में दरोगा खुद फंस गए। अब एसएसपी ने उन पर निलंबन की कार्रवाई की है।

की। इसलिए उन्हें निलंबित किया है। है कि सम्मन समय पर तामील नहीं कराया। सम्मन सैल के दो दरोगा और दो सिपाही गाज सम्मन सैल में तैनात दरोगा धर्मवीर सिंह आदेशों को चार दिन में तामील कराना था, हाजिर हुए। वहीं सम्मन सैल के दरोगा सुनीराम करने थे। इसके लिए उन्हें 3 दिन का समय की कार्रवाई की गई। वहीं सिपाही सुनील कुमार के सम्मन तामील कराने थे, जिसके लिए 4 बाद तामील कराया गया। वहीं सिपाही विनोद तामील करना था। 2 दिन की वजह उन्होंने भी चारों लोगों को एसएसपी ने निलंबित कर

विलयधाम मंदिर में शनिवार को हुआ हुआ विशाल भण्डारा

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। विलय ज्ञान धर्मार्थ संस्था द्वारा संचालित श्री नारायण विलयधाम मंदिर परिसर में शनिवार को भंडारे का आयोजन सुबह नौ बजे से नारायण इच्छा तक हुआ। भंडारे में भोग के साथ भजन , कीर्तन से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान हो रहा था।जिसकी ध्वनि सुनकर आम जनमानस एवं भक्तजनों को भाव विभोर कर दिया। भण्डारे के दौरान दिल्ली, मुम्बई, मध्यप्रदेश, विहार, उत्तराखंड, पंजाब आदि राज्यों से आए अनुयायियों ने भी प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर अध्यक्ष विजय अग्रवाल, प्रोफेसर मधुदीप, दिव्या, सुमित वैश्य, सुधीर कुमार गोयल, पूनम कश्यप, सुषमा सक्सेना, विमलेश कुलश्रेष्ठ, विदित गुप्ता, रोहित कश्यप, देवेश वैश्य, अमरनाथ मेहरोत्रा, , मुदित अग्रवाल,यश अग्रवाल,नीरज चावला, राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, ऋतुराज, वरूण गुप्ता, मनोज शर्मा, कुशल गुप्ता, मनोज शर्मा, दिव्यांशु वैश्य सहित सैकड़ों भक्तगण मौजूद रहे।

पत्नी की हत्या में पति व सास-ससुर को आजीवन कारावास

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। लगभग चार वर्ष पूर्व महिला की हत्या के मामले में पति व सास-ससुर को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषियों पर 32-32 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अभियोजन पक्ष की पैरवी कर रहे अपर जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) सत्येंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि भिनगा कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला टंडवा निवासी नानबाबू ने अपनी लड़की काजल की शादी अर्जुन पुत्र रमेश निवासी मल्हीपुर खुर्द थाना मल्हीपुर के साथ वर्ष 2018 में किया था। दिनांक 13 मई 2020 को अभियुक्तों ने काजल की गला दबाकर हत्या कर दी थी। इस घटना के पूर्व भी मृतका की सास मायावती, ससुर रमेश व पति अर्जुन पैसों के लिए मारापीटा करते थे। नानबाबू अपनी गरीबी का हवाला देकर बेटी को तंग व परेशान न करने के लिए अभियुक्त गणों को रोका करते थे। नानबाबू मजदूरी करके किसी तरह से जीवनयापन करता है। नानबाबू को प्रधानमंत्री आवास का ढाई लाख रुपये जब से मिला था तब से अभियुक्तगण पैसों के लिए बहुत मारपीट करते थे। घटना वाले दिन अभियुक्तो ने मृतिका की मारपीट कर उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। घटना मल्हीपुर थाने पर दर्ज होकर विवेचना हुई व तीनों आरोपियों के विरुद्ध न्यायालय पर आरोप पत्र प्रेषित हुआ। मामले का विचारण अपर सत्र न्यायालय (अन्नय रूप से पाक्सो एक्ट) की अदालत पर हुआ।

थाना हरदत्तनगर गिरंट पुलिस और एसओजी टीम की बड़ी कामयाबी

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0 231/2024 धारा 103 (1) 238 बनाम अज्ञात का अनावरण कर अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु अपर पुलिस अधीक्षक श्रावस्ती प्रवीण कुमार यादव व क्षेत्राधिकारी सर्किल भिनगा संतोष कुमार के कुशल नेतृत्व में थानाध्यक्ष शैलकान्त उपाध्याय थाना हरदत्तनगर गिरण्ट मय पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम द्वारा 24 घंटे के अन्दर घटना का सफल अनावरण करते हुए बालक की गला दबाकर हत्या करने वाले अभियुक्त दीपू पुत्र रूपा निवासी ग्राम छेदागाँव सा0 बेगमपुरा थाना हरदत्तनगर गिरण्ट जनपद श्रावस्ती को ग्राम उम्मेदपुरवा प्राइवेट बस स्टाप तिराहा के पास से गिरफ्तार किया गया।

अभियुक्त दीपू उपरोक्त द्वारा पूछताछ के दौरान बताया गया कि मेरी शादी 03 वर्ष पूर्व हुई थी मेरे कोई संतान नहीं थी मेरी पत्नी दो बार गर्भवती होने के बाद दोनो बार गर्भपात हो गया था जिससे मैं व मेरी पत्नी काफी परेशान रहते थे। इसके उपाय हेतु मैने झाड़-फूंक करने वाले कई लोगो का सहारा लिया। उन लोगो ने बताया कि तुम्हारे पड़ोसियों ने टोटका कराया है। मेरे कोई संतान न होने का कारण मेरे पड़ोसी मेलेराम व उनकी पत्नी पूनम मुझे चिढ़ाते थे। इस बात से छुब्ध होकर आक्रोश व हताशा मे मेलेराम का लड़का अरुण जो मेरे घर के पास खेल रहा था मैं उसे अपने साथ दुकान ले गया जहाँ पर उसे नमकीन खरीद कर दिलवायी फिर अरुण को अपने साथ अपने अरहर के खेत के अन्दर ले जाकर गला दबाकर उसकी मृत्यु कारित कर दी, मृत्यु कारित करनें के बाद में घर से भाग गया था।

देवबंद में बुर्कानशीं युवतियों से मारपीट, नकाब हटाने का प्रयास, वीडियो सोशल मीडिया पर डाला, दी तहरीर

उत्तर प्रदेश के देवबंद में बुर्कानशीं युवतियों के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस को तहरीर दी गई है। उत्तर प्रदेश के देवबंद में बुर्कानशीं युवतियों के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस को तहरीर दी गई है। आरोप है कि जिस बाइक सवार युवक को हिंदू बताकर उनके साथ मारपीट की गई। वह उसे जानती नहीं हैं, केवल उनसे रास्ता पूछा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मुस्लिम समाज के लोगों ने युवतियों को घेरकर की पूछताछ-गुरुवार को इस्लामिया डिग्री कॉलेज मार्ग पर कुछ मुस्लिम समाज के लोग दो बुर्कानशीं युवतियों और एक बाइक सवार युवक को पकड़ लेते हैं। बाइक सवार को वह हिंदू बताते हुए युवतियों के साथ मारपीट कर रहे हैं। इतना ही नहीं भीड़ में शामिल व्यक्ति एक युवती का नकाब

हटाकर कर उसकी फोटो खींच रहा था। इसकी वीडियो सोशल मीडिया पर किसी ने अपलोड कर दी।लोगों ने लगाए आरोप, पीड़ितों ने दी तहरीर- शुक्रवार को मामले में पीड़ित युवती ने पुलिस को तहरीर देकर कई लोगों पर बिना वजह मारपीट करने और नकाब उतारे जाने का आरोप लगाया है। बताया है कि बाइक सवार कोई अनजान शख्स था, जो उनसे सहारनपुर जाने का रास्ता पूछ रहा था। वहां पहुंचे कुछ लोग उन पर उन पर तरह-तरह के आरोप लगा मारपीट करने लगे। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

कस्तूरबा की पांच छात्राएं नेशनल फुटबाल टीम में चयनित

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय हरिहरपुर रानी भिनगा के पांच बालिका फुटबॉल खिलाड़?यिों का चयन नेशनल फुटबॉल टीम में हुआ है। इसको लेकर विद्यालय परिवार के साथ ही चयनित बालिकाओं के परिजनों व जान पहचान वालों में खुशी की लहर है। टीम मैनेजर राधा बताती हैं कि कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय हरिहरपुर रानी भिनगा की छात्राओं कक्षा सात की छात्रा संजू, छह की हिसीबून, आठ की सामिया, प्रियंका व रूपा ने सितंबर माह में प्रदेशीय 68वी महिला फुटबॉल प्रतियोगिता जो कि अलीगढ़ में आयोजित हुई थी। उसमें

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय हरिहरपुर रानी भिनगा श्रावस्ती की तरफ से प्रतिभाग करते हुए फाइनल मुकाबला प्रयागराज की टीम से खेला था। उस मैच में प्रयागराज की टीम जीती थी, जबकि कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय हरिहरपुर रानी भिनगा की टीम द्वितीय स्थान पर रही। लेकिन उपरोक्त पांचों खिलाड़ियों का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में शानदार रहा था। जिसके बाद पांचों छात्राओं का चयन राष्ट्रीय महिला फुटबॉल टीम में किया गया है।

संभल हिंसा: सपा सांसद के इलाके में बिजली चोरी, मस्जिदों में उपकरण देख अफसर हैरान, इमाम पर लगा 2 लाख जुर्माना

संभल के जामा मस्जिद क्षेत्र में प्रशासन ने अतिक्रमण और बिजली चोरी के खिलाफ अभियान शुरू किया। छापेमारी में 100 से अधिक घरों और 4 मस्जिदों में अवैध बिजली कनेक्शन पकड़े गए। प्रशासन ने अब तक 1200 से ज्यादा मामले दर्ज कर 5 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया हैशाही जामा मस्जिद क्षेत्र में हुई हिंसा के बाद प्रशासन ने अवैध निर्माण और बिजली चोरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। इस दौरान सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के निवास स्थान के आसपास छापेमारी में बिजली चोरी पकड़ी गई। जिला प्रशासन ने शनिवार सुबह जामा मस्जिद क्षेत्र में अतिक्रमण विरोधी अ भि या न चलाया।डीएम राजेंद्र पेंसिया ने बताया कि मस्जिद क्षेत्र में दस्तावेजों के आधार पर सीमांकन किया जा रहा है। अवैध कब्जे हटाए जा रहे हैं। इसके अलावा, क्षेत्र की सफाई और पुराने कुएं को पुनर्जीवित करने का भी कार्य किया जा रहा है। जांच के दौरान बिजली चोरी के कई मामले सामने आए। डीएम ने बताया कि 15-20 घरों और मस्जिद में बिजली चोरी हो रही थी।एक मस्जिद में छापेमारी के दौरान 59 पंखे, एक फ्रिज, वॉशिंग मशीन और 25-30 लाइट प्वाइंट पाए गए। जांच में पाया गया कि वहां का मीटर बंद था। विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता नवीन गौतम ने बताया कि दीपा सराय और आसपास के इलाकों में बिजली चोरी के मामले पकड़े गए हैंउन्होंने कहा कि जब हमारी टीम निरीक्षण करने गई तो स्थानीय लोगों ने इसका विरोध भी किया। इन जगहों पर कई बार टीम पर हमले भी हुए हैं। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि दो महीने पहले विद्युत विभाग ने ऐसे क्षेत्रों की सूचना दी थी जहां निरीक्षण के दौरान टीमों पर हमले हुए थे।टीमारदास सराय, दीपा सराय, तुर्तिपुर इल्हा और हिंदूपुरा खेड़ा जैसे क्षेत्रों में अब पुलिस बल तैनात किया गया है। अब तक 1200 से अधिक बिजली चोरी के मामले दर्ज किए जा चुके हैं। पांच करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकरों की जांच के दौरान अवैध बिजली कनेक्शन मिले।कुछ स्थानों पर मस्जिद की मीनारों से बिजली आपूर्ति की जा रही थी। अवैध बिजली कनेक्शन से लाभ उठाने वालों पर उत्तर प्रदेश गैंगस्टर और असामाजिक गतिविधि (निवारण) अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। डीएम पेंसिया ने बताया कि मस्जिद के आसपास की सड़कों, नालों और कुंओं पर हो रहे अतिक्रमण को भी हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह अभियान दो से तीन महीने तक चलेगा और सभी अवैध कब्जे हटाए जाएंगे।कुछ स्थानों पर मस्जिद की मीनारों से बिजली आपूर्ति की जा रही थी। अवैध बिजली कनेक्शन से लाभ उठाने वालों पर उत्तर प्रदेश गैंगस्टर और असामाजिक गतिविधि (निवारण) अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। डीएम पेंसिया ने बताया कि मस्जिद के आसपास की सड़कों, नालों और कुंओं पर हो रहे अतिक्रमण को भी हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह अभियान दो से तीन महीने तक चलेगा और सभी अवैध कब्जे हटाए जाएंगे।

माननीय जनपद न्यायाधीश श्री अचल सचदेव द्वारा फीता काटने के उपरान्त मां सरस्वती पर माल्यार्पण करके दीप प्रज्ज्वलित करते हुये राष्ट्रीय लोक अदालत का विधिवत उद्घाटन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

उरई जालौन जनपद की सभी तहसीलों मे स्थित दीवानी न्यायालयों में भी उक्त आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जनपद न्यायाधीश के अलावा स्थायी लोकअदालत के पीठासीन अधिकारी श्री राजवर्धन गुप्ता व समस्त न्यायिक अधिकारीगण उपसिथत रहें। राष्ट्रीय लोकअदालत में निस्तारित वादों की जानकारी देते हुए सचिव/अपर जिला जज जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री राजीव सरन द्वारा बताया गया कि आज माननीय जनपद न्यायाधीश श्री अचल सचदेव के कुशल मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई राष्ट्रीय लोक अदालत में माननीय जिला जज द्वारा 58 मुकदमों का निस्तारण किया गया एवं मु0 17335472/- रू0 धनराशि पक्षकारों को दिलायी गयी। उनके के प्रधान न्यायाधीश श्री मनोज कुमार सिंह गौतम द्वारा 36 मुकदमों इनके द्वारा 6 वैवाहिक मामले प्रीलिटिगेशन स्तर के भी निपटाये गये। निस्तारण किया गया। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के पीठासीन कम्पनियों से पीड़ित याचीगण को 16200000/-रू धनराशि क्षतिपूर्ति (पी0यू0एस0) के अध्यक्ष श्री राजवर्धन गुप्ता द्वारा भी 06 मुकदमा गयी। अपर जिला जज-प्रथम श्री शिवकुमार द्वितीय द्वारा 01, विशेष 11, विशेष न्यायाधीश (द0प्र0क्षे0) डॉ0 अवनीश कुमार द्वारा 02, प्रयास करते हुये विद्युत अधिनियम के 140 मुकदमों का निस्तारण

2669 आपराधिक वादों का निस?तारण किया गया। सिविल जज सी0डि0 श्री अर्पित सिंह द्वारा दीवानी के 11 फौजदारी के 27, सिविल वादो में पक्षकारों के मध्य सुलह समझौता कराया गया। सिविल जज सी0डि0/एफ0टी0सी0 श्रीमती अनुकृति सन्त द्वारा फौजदारी के 53 दीवानी के 02, सिविल जज जू0डि0 उरई श्रीमती प्रियंका सरन द्वारा फौजदारी के 102 व 06 दीवानी के वाद एवं वाह्य न्यायालय कोंच के न्यायिक अधिकारी सुश्री उमैमा शहनवाज द्वारा फौजदारी के 193, अपर सिविल जज (जू0डि0) कोंच श्री मोहित निर्वाल द्वारा 01 दीवानी प्रकृति एवं फौजदारी प्रकृति के 407, सिविल जज जू0डि0 जालौन श्री जावेद खान द्वारा कुल 556 फौजदारी व दीवानी के 08 वाद, अपर सिविल जज जू0डि0 जालौन श्रीमती वन्दना सिंह के द्वारा दीवानी के 02 एवं फौजदारी के 138 और कालपी दीवानी न्यायालय के न्यायिक अधिकारी सुश्री इशिता सिंह द्वारा दीवानी के 06 एवं फौजदारी के 614, न्यायालय सिविल जज (जू0डि0)/एफ0टी0सी0/सी0ए0डब्ल्यू0 सुश्री निकिता सिंह द्वारा 15 एवं विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय उरई श्री राजा सिंह द्वारा फौजदारी के 22 मामलों का निस्तारण करते हुये विभिन्न न्यायालयों द्वारा 153730/-रू0 कोष में जमा कराये। आज राष्ट्रीय लोक अदालत में जिले की विभिन्न बैंकों के बकाया ऋण के 567 मामलों में समझौता कराया गया। इनके अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, अपर जिला मजिस्ट्रेट सहित सभी उप जिला मजिस्ट्रेट, नगर मजिस्ट्रेट और तहसीलदार न्यायालयों द्वारा राजस्व संहिता और फौजदारी के कुल 2437 मामलों सहित विभिन्न विभागों द्वारा प्री-लिटिगेशन प्रकृति के 171768 मामले निस्तारित किये गये। इस प्रकार जिला प्रशासन एवं न्यायालयों में लगभग एक लाख अस्सी हजार मामलों को आज निस्तारित करते हुये राष्ट्रीय लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 9०7776991

संक्षिप्त समाचार

जिला बार एसोसिएशन कैराना के चुनाव की प्रक्रिया शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच -मनीष मित्तल

कैराना,शामली। जिला बार एसोसिएशन कैराना के वार्षिक चुनाव का बिगुल बज गया है। चुनाव आयुक्तगण ने अधिसूचना जारी कर दी है। इसके तहत सोमवार से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। जबकि 23 दिसंबर को मतदान एवं मतगणना होगी। अध्यक्ष व महासचिव समेत नौ पदों के लिए मतदान संपन्न होगा। शुक्रवार को चुनाव आयुक्तगण ईशपाल सिंह, प्रदीप कुमार जैन, चौधरी रियासत अली, खड़कसिंह चौहान, मेहरबान अहमद व शगुन मित्तल ने बार एसोसिएशन कैरानाा की वर्ष-2025 की वार्षिक कार्यकारिणी के गठन हेतु अधिसूचना जारी कर दी है। इसके तहत बार भवन में 16 दिसंबर से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। 16 व 17 दिसंबर को सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक नामांकन पत्रों की बिक्री एवं प्रस्तुत किए जाने का कार्य होगा। 18 दिसंबर को प्रात: 11 बजे से दोपहर एक बजे तक नामांकन पत्रों की जांच होगी एवं आपत्ति दर्ज की जाएगी, जबकि 19 दिसंबर को प्रात: 11 बजे से दोपहर दो बजे तक नाम वापसी व आपत्तियों के निस्तारण का कार्य किया जाएगा। 23 दिसंबर को सुबह नौ बजे से दोपहर दो बजे तक मतदान होगा। इसके पश्चात मतणना एवं परिणाम घोषित किए जाएंगे। अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, सह सचिव प्रशासनिक, सह सचिव पुस्तकालय, कोषाध्यक्ष, सदस्यगण वरिष्ठ व सदस्यगण कनिष्ठ पदों पर यह चुनाव बार भवन में संपन्न होगा। वहीं, बार चुनाव की अधिसूचना जारी होने के साथ ही दावेदारों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है।

पुलिस अधीक्षक ने किया थाना बाबरी का औचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। पुलिस अधीक्षक श्री राम सेवक गौतम ने थाना बाबरी के कार्यालय, कंप्यूटर कक्ष और महत्वपूर्ण अभिलेखों की जांच की। महिला हेल्पडेस्क का निरीक्षण कर महिला हेल्पडेस्क की व्यवस्था का निरीक्षण कर सेवाओं में सुधार हेतु निर्देश दिए। निर्माणाधीन भवन का दौरा थाने में निर्माणाधीन भवन की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कार्य में सुधार का आह्वान पुलिस अधीक्षक ने थाने में बेहतर कार्यशैली अपनाने पर जोर दिया।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा आज वृद्ध गो संरक्षण केंद्र इस्सोपुरटील ओचक का निरक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी शामली द्वारा आज वृहद गो संरक्षण केन्द्र इस्सोपुरटील का औचक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास को वृहद गो संरक्षण केन्द्र इस्सोपुरटील के अभिलेखो में गोवंशो की संख्या पंजिका के अपेक्षा कृत कम पाई गयी, हरा चारा नही पाया गया, पानी का टेंक भरा हुआ नही था तथा वृहद गो संरक्षण केन्द्र पर स्थित बायो गैस प्लांट कियाशील नही पाया गया। वृहद गो संरक्षण केन्द्र पर गोवंशो को ठण्ड से बचाव हेतु कोई भी समुचित व्यवस्था नही पायी गयी। जिस पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा संचालक के विरूद्ध कार्यवाही हेतु खण्ड विकास अधिकारी कॉधला को निर्देशित किया गया तथा डा0 अनुप कुमार गुप्ता पशुचिकित्साधिकारी नाला/गोशाला प्रभारी तथा दोनों पशुधन प्रसार अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही के लिए मुख्य पशुचिकित्साधिकारी शामली को निर्देशित किया गया तथा वृहद गो संरक्षण केन्द्र इस्सोपुरटील के निरीक्षण हेतु 03 सदस्यीय जिला स्तरीय अधिकारियों की टीम गठित कर निरीक्षण आख्या आख्या एक सप्ताह में उपलब्ध करने के लिए आदेश दिये।निरीक्षण के दौरान संचालक विरेन्द्र सिंह उपस्थित रहें।

लोकसभा में बोले राहुल – ये लड़ाई मनुस्मृति और संविधान के बीच; 50 फीसदी आरक्षण की दीवार तोड़ेंगे

राहुल गांधी ने कहा %जब आप अदाणी को धारावी का बिजनेस देते हैं तो आप धारावी के छोटे व्यापारियों का अंगूठा काटते हैं। जब आप बंदरगाह, एयरपोर्ट अदाणी को देते हैं तो जो लोग ईमानदारी से व्यापार करते हैं आप उनका अंगूठा काटते हैं। लेटेरल एंट्री देकर देश के युवाओं का अंगूठा काटते हैं। देश के युवा प्रतिस्पर्धी परीक्षा की तैयारी करते हैं। तो पेपर लीक कराकर आप उनका अंगूठा काटते हैं।%भारत के संविधान की 75वीं वर्षगांठ पर आज लोकसभा में बहस में हिस्सा लिया। राहुल गांधी ने लोकसभा में संविधान पर चर्चा पर संविधान पर हमले का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने कहा कि महात्मा गांधी, डॉ. आंबेडकर, पंडित नेहरू के विचार दिखते हैं, लेकिन बासवन्ना, कबीर आदि से आए। हमारा संविधान बिना हमारी प्राचीन %सावरकर ने अपने लेखों में साफ लिखा है कि हमारे संविधान में है। अब सवाल ये है कि आप सावरकर की बात को मानते हैं या फिर आप एक तरह से सावरकर का विरोध करते हैं। जैसे पहले हिंदुस्तान गांधी ने एकलव्य का उदाहरण देते हुए कहा कि गुरु द्रोणाचार्य ने स्वर्ण जाति से नहीं है तो मैं आपको नहीं सिखा सकता। इसके बाद जब एकलव्य ने धनुष चलाना सीख लिया तो द्रोणाचार्य ने एकलव्य धारावी का बिजनेस देते हैं तो आप धारावी के छोटे व्यापारियों का जो लोग ईमानदारी से व्यापार करते हैं आप उनका अंगूठा काटते हैं। प्रतिस्पर्धी परीक्षा की तैयारी करते हैं। तो पेपर लीक कराकर आप मेहनत करते थे, तो आपने अग्निवीर लाकर उनका अंगूठा काटा। फायदा पहुंचाते हो, तो आप किसानों का अंगूठा काटने का काम अग्निवीर होना चाहिए। संविधान में ये नहीं लिखा कि देश के युवाओं तोड़ेंगे%राहुल गांधी ने हाथरस दुष्कर्म का जिक्र कर पूछा कि %ये और जिसका दुष्कर्म हुआ है, उसके परिवार को बंद कर दिया जाए। में संविधान नहीं मनुस्मृति लागू हो रही है। मैं पीड़ित परिवार से मिलने रहने की जमीन देने का वादा किया था, लेकिन चार साल हो गए और आज तक उनका पुनर्वास नहीं हुआ है। वो आज बाहर निकलते हैं और जिन्होंने दुष्कर्म किया, वो उन्हें धमकाते हैं। अगर आप नहीं करेंगे तो, इंडी गठबंधन वाले लोग मिलकर उस परिवार का पुनर्वास करेंगे। हम देश के हर व्यक्ति से कहना चाहते हैं कि आपकी रक्षा संविधान करता है, लेकिन भाजपा के लोग संविधान पर हमला करते रहते हैं।% राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि %आप एक धर्म को दूसरे धर्म से लड़ाते हैं। ये संविधान में कहां लिखा है? मुझे दिखाइए। हमारी विचारधारा, इंडी गठबंधन की विचारधारा, वो देश में संविधान की रक्षा करते हैं। आज ये बात सबके सामने है कि राजनीतिक समानता खत्म हो गई है। सामाजिक समानता, आर्थिक समानता नहीं रही। इसलिए हमारा अगला कदम जातीय जनगणना होगा। हम देश को दिखाना चाहते हैं कि आपने किन लोगों का कहां-कहां अंगूठा काटा है। उसके बाद हिंदुस्तान में एक नए तरीके का विकास होगा और नई तरीके की राजनीति होगी।% राहुल गांधी ने ये भी कहा कि %50 फीसदी आरक्षण की दीवार भी हम तोड़ेंगे।

बहस हो रही है। लोकसभा में आज विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने के दौरान बोलते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और केंद्र %जब हम संविधान को देखते हैं तो हम देख सकते हैं कि संविधान में ये विचार कहां से आए? ये विचार भगवान शिव, गुरु नानक, भगवान विरासत के बिना नहीं बन सकता था। राहुल गांधी ने कहा कि कुछ भी भारतीय नहीं हैं। लड़ाई मनु स्मृति और संविधान के बीच की संविधान को। क्योंकि जब आप संविधान की तारीफ करते हैं तो चलाया जाता था, वैसे ही आप आज भी चलाना चाहते हैं। राहुल एकलव्य को सिखाने से मना कर दिया था और कहा था कि आप भी एकलव्य ने गुरु द्रोणाचार्य की मूर्ति बनाकर धनुष चलाना सीखा। का अंगूठा मांग लिया।%राहुल गांधी ने कहा %जब आप अदाणी को अंगूठा काटते हैं। जब आप बंदरगाह, एयरपोर्ट अदाणी को देते हैं तो लेटेरल एंट्री देकर देश के युवाओं का अंगूठा काटते हैं। देश के युवा उनका अंगूठा काटते हैं। देश के हजारों युवा सेना में जाने के लिए किसान आपसे एमएसपी मांगते हैं, मगर आप अदाणी-अंबानी को करते हैं। संविधान में कहीं नहीं लिखा कि एकाधिकार होना चाहिए, का अंगूठा काटना चाहिए।% %50 फीसदी आरक्षण की दीवार हम संविधान में कहां लिखा है कि जो दुष्कर्म करता है, वो बाहर घूमें ये आपकी किताब मनुस्मृति में लिखा है, संविधान में नहीं। हाथरस गया था, परिवार ने मुझे बताया कि यूपी सरकार ने उन्हें कहीं ओर

संक्षिप्त समाचार

कपिल सिब्बल का प्रधानमंत्री मोदी पर हमला, कहा- सत्ता हासिल करने के लिए वे कुछ भी कर सकते हैं

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने केंद्र सरकार पर हमला करते हुए कहा कि व्यवस्था जातियों के माध्यम से चलाई जा रही है।

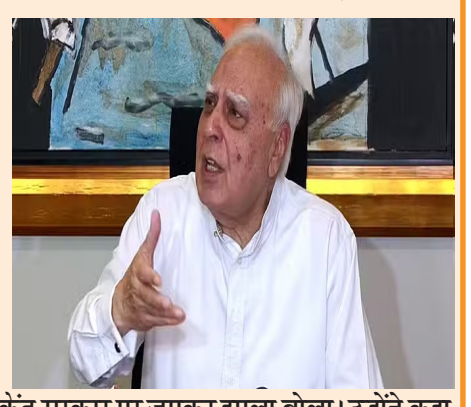

जिसकी सरकार होती है वही नियुक्त होते हैं। पैसा चुनाव पर राज कर रहा है।राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने एक बार फिर केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संविधान से कोई लेना-देना नहीं है। उन्हें सत्ता से सब कुछ करना है। %पैसा चुनाव पर राज कर रहा%- सिब्बल ने कहा, %संविधान निर्माताओं की कुछ आकांक्षाएं थीं कि सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक न्याय होगा। जिस देश की संपत्ति एक फीसदी लोगों के पास है, तब कौन से आर्थिक न्याय की बात हो रही है। जहां दलितों की पीट-पीटकर हत्या होती है, वहां कौन सा सामाजिक न्याय हो रहा है। व्यवस्था जातियों के माध्यम से चलाई जा रही है। जिसकी सरकार होती है वही नियुक्त होते हैं। पैसा चुनाव पर राज कर रहा है। इनके बारे में बात नहीं की जा रही है।% चुनाव आयोग क्या कर रहा है- सिब्बल-उन्होंने कहा, %वे सत्ता हासिल करने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। मुझे नहीं लगता कि प्रधानमंत्री (लोकसभा में) संविधान की गरिमा के बारे में बात करेंगे। यह देश के लिए अच्छा नहीं है। सारी संस्थाओं पर कब्जा कर लिया है। चुनाव आयोग क्या कर रहा है? एक वक्त था जब चुनाव होता था तो चुनाव आयोग प्रेस कॉन्फ्रेंस करता था और सब जानकारी देता था। मगर अब वह बताने के लिए ही तैयार नहीं है कुछ। सिर्फ सत्ता से लेना-देना-उन्होंने आगे कहा, %केवल उन न्यायाधीशों को नियुक्त किया जा रहा है जो उनके आदेशों का पालन करेंगे। राज्यपाल राजनीति कर रहे हैं और चुनाव आयोग उनके (सत्तारूढ़ दल) पक्ष में बोल रहा है। उन्हें संविधान से कोई लेना-देना नहीं है, उन्हें सत्ता से सब कुछ करना है।

झांसी जेलर को अज्ञात हमलावरों ने पीटा, निजी कार से जा रहे थे कस्तूरी लाल गुप्ता; तभी टूट पड़े बदमाश

झांसी जेलर को अज्ञात हमलावरों ने पीट दिया है। झांसी रेलवे स्टेशन के पास अपनी निजी कार से जेलर कस्तूरी लाल गुप्ता जा रहे थे। इसी दौरान बदमाशों ने उनपर हमला कर दिया। घायल

जेलर को पुलिस जिला अस्पताल लेकर पहुंची है।झांसी जिला कारागार के जेलर पर अज्ञात बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया। घटना में जेलर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उनके ड्राइवर ने उन्हें बचाने का प्रयास किया तो हमलावरों उसे भी पीट दिया। फिलहाल जेलर का इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है। घटना शनिवार सुबह 12-30 बजे के करीब की बताई जा रही है। झांसी जिला कारागार के जेलर कस्तूरी लाल गुप्ता अपनी निजी कार से नवाबाद थाना क्षेत्र के इलाहाबाद बैंक चौराहा से जेल की ओर जा रहे थे, इसी बीच चार पहिया वाहन से आए हमलावरों ने जेलर की कार रोककर उन्हें गाड़ी से बाहर खींच लिया और लाठी डंडे समेत अन्य हथियारों से हमला कर दिया। जेलर के ड्राइवर ने जैसे ही जेलर को बचाने का प्रयास किया तो उसे भी हमलावरों ने बुरी तरह पीट दिया। घटना में जेलर गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यहां घटना की जानकारी होते ही नवाबाद पुलिस मौके पर पहुंची उससे पहले हमलावर फरार हो गए। जेलर को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया है।

KTUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला व्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

विजय सिंह पथिक महाविद्यालय में हुआ दो दिवसीय क्रीड़ा समारोह का समापन

क्यूँ न लिखूँ सच -मनीष मित्तल

कैराना,शामली ।विजय सिंह पथिक राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कैराना, शामली में दो दिवसीय वार्षिक कीड़ा समारोह का समापन हो गया, दोनों दिन छात्र-छात्राओं ने प्रतियोगिताओं में

बढ़-चढ़कर भाग लिया। दूसरे दिन के कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ योगेंद्र पाल सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। प्रतियोगिता के परिणाम निम्न प्रकार रहे- छात्र वर्ग की 100 मीटर दौड़ में बीए प्रथम सेमेस्टर के अमन कुमार प्रथम रहे जबकि छात्रा वर्ग की 100 मीटर दौड़ में बी ए पंचम सेमेस्टर की काजल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर दौड़ में छात्र वर्ग में मोहम्मद दानिश ने जबकि छात्रा वर्ग में काजल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 800 मी दौड़ में छात्र वर्ग में अमन कुमार जबकि छात्रा वर्ग में काजल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। छात्र वर्ग की 1500 मीटर दौड़ में सचिन कालखंडे ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि छात्रा वर्ग की 1500 मी दौड़ मैं उना रानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। छात्र वर्ग की 3000 मीटर दौड़ में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान क्रमशः अमन कुमार, मोहम्मद दानिश एवं सचिन कालखंडे ने प्राप्त किया। ऊंची कूद में छात्र वर्ग में प्रियांशु वर्मा तथा छात्रा वर्ग में किरण ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वही लंबी कूद में छात्रों में अक्षय चौहान तथा छात्राओं में किरण प्रथम रहे। गोला प्रक्षेपण में छात्र वर्ग में मोहम्मद दानिश तथा छात्रा वर्ग में ज़किरा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं डिसकस प्रक्षेपण में छात्रों में मोहम्मद दानिश जबकि छात्राओं में ज़किरा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। भाला प्रक्षेपण में छात्र वर्ग में अमजद खान तथा छात्रा वर्ग में मुस्कान प्रथम रहे। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ योगेंद्र पाल सिंह ने मोहम्मद दानिश को छात्र चैंपियन तथा किरण को छात्रा चैंपियन घोषित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ अजय बाबू शर्मा ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों का सहयोग रहा। कार्यक्रम के आयोजन में महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में क्रीड़ा प्रभारी डॉक्टर हरेंद्र सिंह ने सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों मीडिया कर्मियों एवं छात्र-छात्राओं को प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

पिथमपुर नगर पालिका ने ठंड से बचने हेतु कपड़े वितरित किये

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रदीप द्विवेदी

पिथमपुर नगर पालिका ने ठंड से बचने हेतु कपड़े वितरित कर ,अधीनस्थ जोन पर अनुपयोगी कपड़े, जूते, चप्पल आदि पहुंचाने के लिए प्रेरित किया पीथमपुर मध्यप्रदेश शासन एवं नगर पालिका

अध्यक्ष सेवंती सुरेश पटेल, मुख्य नगर पालिका अधिकारी निशिकांत शुक्ला, नोडल अधिकारी हिमांशु सिंह के आदेशानुसार स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 को ध्यान में रखते हुए दिनांक 14/12/2024 को नगर पालिका परिषद पीथमपुर में स्थित संजय जलाशय रोड झुग्गी झोपड़ी मैदान में क्रक्क सेंटर स्टाल लगवा कर महिला पुरुष एवं बच्चों को ठंड से बचने हेतु कपड़े वितरित किए । नगर पालिका के संपूर्ण वार्डो से अनुपयोगी वस्तु कपड़े .जूते . चप्पल.किताबें.खिलौने आदि अधीनस्थ जोन पर पहुंचाने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। सहयोग अभियान चलाया जा रहा है जिसमें वार्ड पार्षद मनीषा लालू शर्मा . झोंन प्रभारी आरजू जैन.पार्षद प्रतिनिधि लालू शर्मा.अलाइड से पंकज परिहार.सचिन मौय.'लीला भाभर.रोहित सिंह.रवि परिहार अंकित चौहान एवं पूरी टीम की उपस्थिति रही।

बीजेपी बूथ आदिवासी महामंत्री की बेदम पिटाई

पारिवारिक विवाद में बगदरा चौकी प्रभारी ने दिखाई क्रूरता खम्भे में बांधकर जानवरों की तरह कूटा हालत नाजुक

क्यूँ न लिखूँ सच

सिंगरौली-बगदरा चौकी प्रभारी का क्रूर चेहरा सामने आया है। पारिवारिक विवाद को लेकर एक आदिवासी युवक एवं भाजपा बूथ महामंत्री को बेरहमी से जानवरों की तरह पीट-पीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया है। यह मामला 10 दिसम्बर का है। फिलहाल पीड़ित आदिवासी न्याय के लिए पुलिस अधिकारियों के दफ्तर का चक्कर लगा रहे हैं। दरअसल हुआ यूँ था कि बगदरा चौकी क्षेत्र के ग्राम नेवारी के कठहवा निवासी शिवनारायण सिंह गोड़ पिता शिववरन सिंह गोड़ का पारिवारिक विवाद भाभी से था। गांव के लोग कुछ बातों को लेकर नाराज थे तो शिवनारायण ने अपने भाभी को गांव वालों की सलाह मानने को कहा। इसी बात को लेकर शिवनारायण की भाभी पुलिस चौकी में लिखित रिपोर्ट कर दी। जहां चौकी ने शिवनारायण को चौकी आने का सलाह देने लगे और यही से बात बिगड़ गई। शिवनारायण सिंह के अनुसार बड़ा विवाद नही था। गांव में आने के बाद पुलिस मामले को निपटा सकती थी क्योंकि दोनों तरफ से रिपोर्ट दी गई थीं। परंतु चौकी प्रभारी खेलन सिंह करिहार एवं आरक्षक विकास मौर्या एवं सैनिक तेजबली सिंह 10 दिसम्बर को सुबह करीब 9 बजे पहुंचे और 10 बजे चौकी उठाकर ले गये। जहां ट्यूबेल बोर पाईप टुकड़े से जानवरों की तरह बेरहम तरीके से पीटने लगे। कितने पाईप मारे होंगे। गिनती नही कर पाया। अचेत अवस्था में पहुंचा तब शायद पिटाई बन्द कर दिये हों। इस दौरान चौकी प्रभारी खेलन सिंह, आरक्षक विकास मोर्या एवं तेजबली सिंह इस बीच अश्लील अभद्र गालियां तथा बीजेपी नेता का नाम लेकर बार-बार कूटते रहे। आगे बताया कि

रात भर चौकी में लॉकप के अन्दर अद्धनग्र में बन्द कर रखा था। पीड़ित आदिवासी ने यह भी बताया कि दूसरे दिन 11 दिसम्बर को उपखण्ड न्यायालय में जाफौ 151 के तहत पेश किया। जहां से जमानत दे दी गई। इस दौरान चौकी प्रभारी व आरक्षक विकास मौर्या बार-बार महिला से छेड़खानी एवं दुराचार जैसे संगीन अपराधों में फंसाने की धमकी दे रहे थे।

भाजपाईयों में चौकी प्रभारी के खिलाफ बढ़ी नाराजगी- बूथ महामंत्री के साथ बेवजह बेरहमी हो कर मारपीट करने वाले चौकी प्रभारी एवं आरक्षक विकास मौर्या तथा सैनिक तेजवली सिंह के खिलाफ बगदरा मंडल के कई नेता नाराज हैं। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष लालबहादूर बैस ने चौकी प्रभारी को बताया भी था कि किसी को बेवजह परेशान न करें और यहां तक कहा था कि आज मंडल अध्यक्ष निर्वाचन के लिए रायसुमारी बगदरा में चल रही है। मतदान के लिए उसे छोड़ दे और कोई बड़ा अपराध नही किया है। इसके बावजूद चौकी प्रभारी भाजयुमो नेताओं के बात को अनसुनी कर खाना खिलाने के नाम पर डण्डे बरसा रहे थे। चौकी प्रभारी के इस कृत्य से भाजपाई नाराज हैं और इसकी शिकायत पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री राधा सिंह करेंगे। साथ ही चौकी प्रभारी को हटाने का मांग एवं उनके क्रियाकलापो का चिट्ठा खोलेंगे। 50 हजार रूपये की थी डिमांड पीड़ित आदिवासी एवं खम्हारडीह बूथ क्रमांक 5 भारतीय जनता पार्टी महामंत्री ने बताया कि चौकी प्रभारी द्वारा केश को रफादफा करने और चौकी से मुक्त करने के एवज में 50 हजार रूपये की डिमांड कर रहे थे और यह 50 हजार रूपये सुविधा शुल्क दे दिये होते तो शायद पिटाई न करते। सिर्फ पैसे के लिए इतनी बेरहमी से मारपीट किया है। बगदरा चौकी में लूट मची है। यहां सिर्फ पैसे के लिए ही किसी भी व्यक्ति को जानवरों की तरह पीटने लगते हैं। आगे बताया कि पारिवारिक के मामूली विवाद में इतनी बेरहमी से मारपीट किया है। मुझे इंसाफ चाहिए। अगर बगदरा दरोगा खेलन सिंह करीहार का चरित्र और सच्चाई चौकी का सीसीटीवी फुटेज निकाल कर सच्चाई निकाली जा सकती है कि लोगों के साथ इनका व्यवहार कैसा रहा इनका जब से बगदरा चौकी में पदस्थ हुए है उस दिन से आज दिनांक तक का चौकी का सीसीटीवी फुटेज निकाल कर पुलिस अधीक्षक सिंगरौली को एक बार देखना चाहिए इनका कहना--किसी के साथ कोई मारपीट नही की गई है। आरोप बे बुनियाद है। 151 के तहत कार्रवाई की गई है। मारपीट किसने किया। इस बारे में शिवनारायण ही बता पाएगा।खेलन सिंह करिहारपुलिस चौकी प्रभारी, बगदरा।

Aloo-Matar ki crunchy kachori tastes delicious in winters, make it quickly with this easy recipe and eat it

You must have eaten many types of kachoris till now, but tell me have you ever tasted the crispy Aloo-Matar Kachori? If not, then this article is for you only. Yes, here we have brought a special recipe for making it for you, after trying it, you will be forced to lick your fingers. Many people like to have hot breakfast in winters. Eating kachori in breakfast is the favorite food of many people. You can try the crispy Aloo-Matar Kachori in breakfast. Crispy and delicious Aloo-Matar Kachori is not only amazing in taste, but it is also not difficult to make. Here we have brought such a recipe for you which even a beginner can follow easily. From morning breakfast to light hunger in the evening, you can enjoy these kachoris. The most special thing is that once you make them, you can easily store them for a week or fifteen days. They are prepared quickly with the ingredients available at home and the taste is such that everyone will keep licking their fingers. Let's quickly note down their easy recipe. Ingredients for making Aloo-Matar Kachori For the dough: 2 cups wheat flour 2 tablespoons desi ghee 1/2 teaspoon celery Salt according to taste Water (for kneading the dough) For stuffing: - 2 large potatoes (boiled and mashed) 1 cup peas (boiled) 1 teaspoon asafoetida 1/2 teaspoon turmeric powder 1/2 teaspoon coriander powder 1/4 teaspoon red chili powder 1/4 teaspoon garam masala Salt according to taste Green coriander (finely chopped) Oil (for frying) Method of making Aloo-Matar Kachori First of all, put flour, ghee, celery and salt in a large bowl and mix well. Add water gradually and knead soft dough. Cover the dough and keep it for 30 minutes. Now heat oil in a pan and add asafoetida to it. Put boiled potatoes and peas in the pan and mix well. Add turmeric powder, coriander powder, red chili powder, garam masala and salt and mix well. Add green coriander to it and mix. Then make small balls of the kneaded dough. Roll each ball thinly with a rolling pin. Place the filling in the center and fold the edges to give it a round shape. Press the edges with tongs to seal well. Now heat oil in a pan. Fry the kachori on low flame till it turns golden. Remove on paper towel and remove extra oil. Serve potato-pea kachori hot with curd, green chutney or sweet chutney. You can also have it for breakfast or evening snack with tea. Special Tips- You can also add other vegetables like carrots, mushrooms etc. as per your choice in the stuffing. To make the kachori more crispy, you can also add a little semolina to the dough. If you want to make kachori in less oil, you can also bake it in the oven. You can make kachori in advance and store it in the freezer and eat it by heating it whenever you want

Do you also feed fruits to your pet dog, then know which fruits are best for them

Feeding fruits to pet dogs (Fruits For Dogs) can be beneficial for their health, but it is important to pay attention to the right fruit and quantity. On the one hand, fruits like apple, banana, watermelon, blueberry, orange, papaya and pear provide nutrition. On the other hand, fruits like grapes, raisins and avocado can act as poison for dogs. Let's know. Many people offer fruits to their pet dogs. Not every fruit is beneficial for pet dogs. You can give fruits to pet dogs only as a treat. Pet dogs are the best companions for loneliness. Their loyalty and love make life happy. They give unconditional love, stay with us, along with this their innocence and mischief keep the home environment positive. But do you know that feeding some fruits to pet dogs can be safe and beneficial, yes this is true, but it is also very important to take care of the right fruit and limited quantity. Along with this, give them fruits only as a treat, because they cannot be a part of their main diet. Usually some pet dogs like to eat fruits, in such a situation some fruits like apple and banana can be very beneficial for them. These fruits are rich in many nutrients like vitamins, fiber and antioxidants. You should feed these fruits to them only after removing the seeds and peel. Along with this, fruits like grapes, raisins and avocado can act as poison for dogs. So let's know which fruits (Safe Fruits For Dogs) are beneficial for your pet dog. Apple is an excellent fruit for the health of dogs. It is rich in fiber, vitamin A and C, which increases their immune power and keeps the teeth clean. Remove the seeds and cut them into small pieces because the seeds contain cyanide. Banana - Banana contains potassium, magnesium and vitamin B6. It strengthens the bones and improves the digestive system. However, it contains more natural sugar, so give it to them in limited quantities. WatermelonWatermelon is a great option for dogs to remove hydration in summer. It contains vitamins A, B6 and C. However, remove its seeds and peel as they can obstruct the digestive system.Blueberry- Blueberries are rich in antioxidants and fiber. They promote the mental health of dogs and protect cells from damage. It is small, so it can be fed to the dog without cutting it. Also read- If you want to stay healthy and fit for years, then bring home a pet dog- Orange- Orange is a good source of vitamin C. It strengthens the immune power and also detoxifies the body, but keep in mind that you should give it to your pet dog only as a treat and avoid giving it in excess as it can weaken their teeth. Papaya- Papaya improves the digestive system of dogs as well as humans. It contains vitamin A, vitamin C and fiber. Keep in mind that it is important to remove its seeds and peel before giving it to dogs. Pear- Pear contains vitamin C, vitamin K and fiber, which improves digestion and immunity of dogs, but it is also important to remove its seeds as they may contain cyanide.

From Octopus Ice Cream to Cuddle Cafe, you will be able to see such strange things only in Japan

Japan is famous all over the world for its culture and traditions (Japanese Culture). Japanese people are known for their creativity and the result of this are some of their strange inventions (Weird Things In Japan). Yes, these inventions are so strange that the onlookers are often surprised and are forced to think what is their purpose. Let's find out. Japan is counted among technologically developed countries. Here you will get to see many surprising things. Cuddle cafes of Japan are very famous all over the world. Japan is a country which is known all over the world for its creativity. Whether it is eating octopus flavored ice cream or spending peaceful moments by going to a cuddle cafe, you will get to see something new and strange every moment in Japan (Weird Things In Japan), but do you want to know why Japanese people are so creative and what unique things are seen here? If yes, then in this article we will tell you about some such fun and strange things of Japan (Fun Facts About Japan) which will surprise you. Vending Machine - Vending machines are so prevalent in Japan that there is one vending machine for every 23 people! This number is equivalent to about 5 million vending machines. You can imagine that there is a vending machine for almost everything in the country. Whether you want to buy snacks, magazines, toilet paper, flowers or umbrellas, you just have to find the nearest vending machine. There are many reasons behind having so many vending machines in Japan, such as low crime rate, attachment to automation i.e. making something run automatically, so that we do not have to do work again and again. For example, a machine that washes clothes, a robot that builds a car, or a computer program that does the accounting itself. Cuddle Cafe Cuddle cafes are quite popular in Japan. In the fast-paced life here, people often feel tired and stressed. In such a situation, cuddle cafes help in reducing this stress. In these cafes, people can relax by spending time with a professional cuddler or someone close to them. These cafes provide a safe and comfortable environment, where people can spend relaxing moments without any hesitation. Imagine, you go to an ice cream parlor and see a unique flavor in the menu - Octopus ice cream! Yes, you read it right. In Japan, octopus ice cream is no less than a special dessert for seafood lovers. Octopus ice cream can be a unique experience for people who do new experiments with food. Power nap in between work - Taking a power nap during work is considered wrong in most countries. If you are caught sleeping during work, you may not only be scolded but may also lose your job, but this is not the case in Japan. Yes, here sleeping during work is not only accepted by the companies but it is also considered a symbol of respect. People here believe that the person who gets tired and falls asleep while working, works very hard. Some Japanese companies even give their employees half an hour to rest in the afternoon. This practice is called 'inemuri'. , Fashion of crooked teeth - A unique fashion trend has emerged rapidly in Japan, which is called 'Yaeba'. In this trend, young girls get dental treatments to make their teeth look broken or uneven intentionally. It may look strange, but it has become a new standard of beauty among Japanese youth. However, this fashion is quite expensive and involves many dental surgeries.

Why didn't she come on stage... Diljit Dosanjh asked Nimrat Kaur a question, the actress's answer will win your heart

People of India are currently having Diljit Dosanjh fever. Diljit is making headlines for posting pictures with people along with songs in the show and for his good heart. The singer's clips are trending a lot on social media. Recently, actress Nimrat Kaur also reached the singer's show. Nimrat danced in the concert Diljit on Dil Luminati Tour- Nimrat shared many pictures Diljit Dosanjh is currently on Dil Luminati Tour. The singer has done many concerts across the country and abroad. Recently, the actor was in Ahmedabad, Lucknow, Pune, Jaipur and then Mumbai. Nimrat Kaur danced to Diljit's songs- During this, actress Nimrat Kaur also attended his Pune concert. She posted many pictures and videos from the event. In these, the actress was seen dancing and singing in the crowd on Diljit's songs. It is clear from the pictures how much the actress is enjoying the whole time there. Nimrat danced fiercely to songs like Vibe, Kinni Kinni, Lemonade, Naina, Hass Hass and the title track of Bhool Bhulaiyaa. Nimrat also posed with security personnel at the event. While sharing the post, Nimrat wrote a line from Diljit's song Lover - Hona Ni Main Recover and shared a goat, heart and trophy emoji with it. Shared the post on social media - After this she wrote - 'The best concert I have ever attended. There is no comparison to you. Waheguru always bless you.' When Diljit saw this post of Nimrat, he also reacted to it. Diljit asked Nimrat in Punjabi that you came to the concert. You should have come on stage. To this, Nimrat Kaur replied, "Diljit that stage and spotlight is only and only for you! I am so lucky that I finally got to see you live, thanks to your purity." About Diljit's show- Diljit started the India phase of his Dil Luminati Tour 2024 in New Delhi in October. In the coming time, he will be in Kolkata (30 November), Bengaluru (6 December), Indore (8 December), Chandigarh (14 December) and Guwahati on 29 December. Earlier, questions have also been raised about the song on alcohol in Diljit's concert. The Telangana government had objected to this matter and said that Diljit works to promote drugs, alcohol and violence with such songs in the concert.

Tumbbad's cinematographer Pankaj Kumar is going to become a director, will show the unseen picture of Nagaland through the film Konyak

Among the films re-released this year, you must remember Tumbbad. The devil Hastar of the film made everyone sweat. From the story of Tumbbad to its visuals, everything was appreciated. Cinematographer Pankaj Kumar, who worked behind the frame in the film, has announced to bring his film on screen, which will be named Konyak. Tumbbad's cinematographer is going to become a director Will step into the world of direction with the film 'Konyak' - will produce within his own production houseTumbbad film has made the record of earning the highest amount among the films re-released this year. People loved the story of the film so much that the makers have announced its second part. Talking about the film, its story was a period drama horror movie. There were many reasons for its success, one of which was the scenes shown in it and the way they were shot. The film has achieved this position today due to the hard work of Pankaj Kapoor, who worked on the cinematography of Tumbbad. Now Pankaj is going to use his talent in his upcoming film Konyak. Who will write the story of Konyak? The story of 'Konyak' is going to be written by Uddhav Ghosh. The film is going to show the story of a young tribal warrior who can predict the events that will happen in the future. He will have to fight with the people of other tribes to save his family in the coming times. It will be shot in Konyak Naga and Hindi languages. Uddhav also told that he got this idea while roaming in Nagaland. Pankaj became famous with the cinematography of these films- Apart from Tumbbad, Pankaj Kumar has worked as a cinematographer in films like Brahmastra Part One: Shiva (2022), Talvar (2015) and Haider (2014). Pankaj also contributed to Raj & DK's web-series Farzi (2023) and Guns & Roses (2023) released on OTT. Let us tell you that work is also going on on a web series named Khauf directed by him for Prime Video. At the same time, he will produce Konyak under the banner of his new production house Jiboom Studio. About Tumbbad 2 ... Tumbbad actor Soham Shah recently announced the making of its second part in view of the success of the first part of the film. Soham shared a post on social media and announced the sequel of 'Tumbbad'. At present, no update has been revealed on its story or release date.

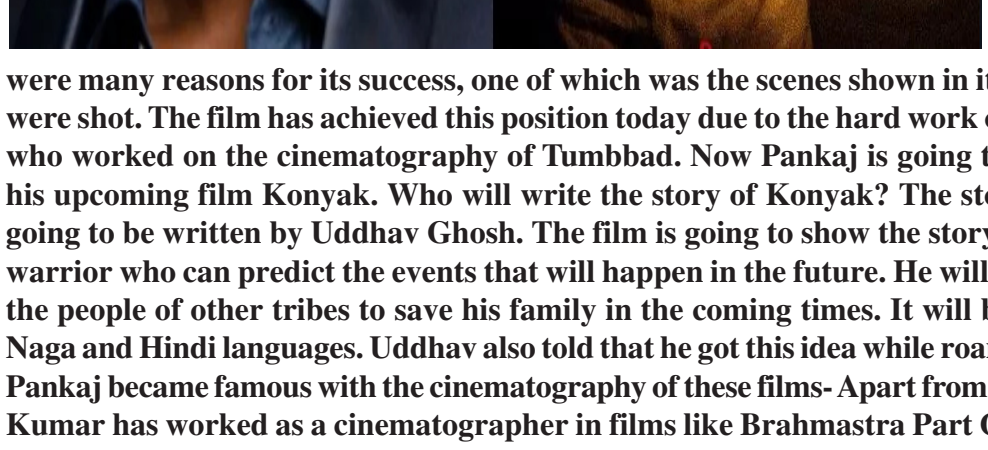

From bold scenes to story, there was a lot of uproar, these films were banned even before release, watch here on OTT

Countless movies have been made in the film industry so far. Some films create history by reaching the theater and some get banned due to their story or other reasons. Today we will tell you about those films of Indian cinema which were banned even before release. However, in today's time they are available on OTT which you can watch. These films banned in India - There was a ruckus even before release - Now they are available on these OTT platforms. Many films are released in Bollywood every year, but some of these movies are banned by the censor board even before their release. Some such films with bold scenes or controversial story still become a topic of discussion among the people. Let us tell you the names of some such films, whose release created a lot of uproar. 1. Fire - The first name in this list is the film 'Fire' (1996) directed by Deepa Mehta. In which an attempt was made to show the homosexual relationship between two women. This was the story of two women of a middle class family who are sister-in-laws in relation. But after a time both of them fall in love with each other. Many bold scenes have been shown in the film, due to which many organizations protested against it. After the uproar, it was banned. You can watch the film on YouTube. 2. Water - The story of the 2005 film 'Water' was based on the life of a widow. She has to do many types of work to raise her child. There was a lot of opposition to it during the shooting of the film itself. John Abraham also worked in the film. You can watch it on YouTube. 3. Angry Indian Goddesses The film 'Angry Indian Goddesses' released in the year 2015 was banned even before reaching the theaters. The movie was based on 7 women who have their own different stories. This film is also available on YouTube. 4. Loev- Like Fire, the story of Loev was also based on homosexuality, which was made in the year 2015. It never got a chance to be released in theaters. The censor board objected to some scenes filmed on the story of a gay couple, after which it was banned. This film is streaming on YouTube. 5. Parzania- Based on a true incident, the film 'Parzania' shows the story of a Parsi family. The family tries to find their son who went missing in the riots that broke out after the Godhra train accident in 2002. You can watch this film on Disney Plus Hotstar. 6. Unfreedom- The film 'Unfreedom', released in the year 2014, was also based on the subject of homosexuality. Many bold scenes were filmed in the film which were not passed by the censor board. You can watch it on YouTube.